सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

BATTERY ZONE
Mob. 9109013555
Distributors for: TATA green batteries
सभी कंपनी की बैटरी उपलब्ध है
MICROTEK
Opp. Majar, G.E. Road, Shastri Nagar, Bhilai (C.G.)

वर्ष- 16 अंक - 46 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 29 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीजीपीएससी के परिणाम जारी: रविशंकर बने टॉपर, सीएम साय ने अभ्यर्थियों को दी बधाई

टॉप 10 में 6 पुरुष और 4 महिला, 242 पदों के लिए 703 अभ्यर्थियों का हुआ इंटरव्यू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सिविल सेवा परीक्षा (सीजीपीएससी) 2023 एग्जाम का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया गया है। टॉप 10 लिस्ट में रविशंकर वर्मा ने पहले स्थान पर जगह बनाई है। साल 2023 में कुल 242 पदों के लिए ये भर्ती निकाली गई थी। 703 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार दिया था। टॉप 10 लिस्ट में इस बार पुरुष अभ्यर्थियों का दबदबा है। टॉप 10 लिस्ट में 6 पुरुष और 4 महिला शामिल हैं। इससे पहले पीएससी-2022 की टॉप-10 लिस्ट में 6 महिलाएं थी। टॉपर रविशंकर ने मुंबई से सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़कर परीक्षा की तैयारी की और सफल हुए।

सीजीपीएसपी में इस बार साक्षात्कार 100 अंक का हुआ था। पिछले वर्षों की तुलना में 50 नंबर की कटौती की गई थी। पहले 150 नंबर का इंटरव्यू होता था। इसे लेकर विवाद हुआ। मेंस के 7 पेपर, जिसमें प्रत्येक के लिए 200 अंक निर्धारित था। इसमें 1400 नंबर और इंटरव्यू 100 यानी कुल 1500 नंबर के आधार पर मेरिट बनी है। साक्षात्कार 18 नवंबर से शुरू हुए थे। इंटरव्यू के आखिरी दिन गुरुवार रात फाइनल रिजल्ट जारी किए गए। मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू के नंबर को जोड़कर मेरिट लिस्ट बनाई गई है।

डिप्टी कलेक्टर से लेकर इन पदों पर भर्ती

पीएससी-2023 में डिप्टी कलेक्टर, छग राज्य वित्त सेवा अधिकारी, खाद्य अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला पंजीयक, राज्य कर सहायक आयुक्त, अधीक्षक जेल जिला, सहायक संचालक आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति, सहायक पंजीयक, जिला सेनानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, बाल विकास अधिकारी, छग अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी, नायाब तहसीलदार, राज्य कर निरीक्षक, सहायक निरीक्षक व सहकारिता विस्तार अधिकारी के पद हैं।

यह हैं टॉप 10 अभ्यर्थी

सीजीपीएससी में टॉप करने वालों में रविशंकर वर्मा, मृण्मई शुक्ला, आस्था शर्मा, किरण राजपूत, नंदिनी, सोनल यादव, दिव्यांश सिंह चौहान, शशांक कुमार, पुनीतराम, उत्तम कुमार शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने चयनित युवाओं को दी बधाई

सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2023 में हुए सफल अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के कंधे पर छत्तीसगढ़ के विकास की महती जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय ने उम्मीद जताई कि राज्य सेवा परीक्षा में चयनित युवा शासकीय सेवा में आकर पूरी ईमानदारी से जनता की सेवा करेंगे। उन्होंने चयनित युवाओं को पूरी तन्मयता से कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देने की अपील की है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'प्रिय युवा साथियों, छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा-2023 के सफल अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। कठिन परिश्रम व दृढ़ निश्चय ने आपको इस मुकाम तक पहुंचाया है। यह सफलता आपके व्यक्तिगत प्रयासों के साथ परिवार, शिक्षकों व समर्पित मार्गदर्शन का फल है। यह केवल आपके लिए एक नया अध्याय है, बल्कि राज्य की सेवा में कार्यरत होकर आप अपने प्रदेश की विकास यात्रा में योगदान देंगे। यह अवसर न केवल आपके लिए एक गर्व का विषय है, बल्कि आपके कार्यों से प्रदेश के नागरिकों का जीवन भी बेहतर होगा। आप जैसे समर्पित युवा प्रदेश के उज्जवल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पुनः आप सभी को बधाई।

खास-खबर

दुर्ग-विशाखापट्नम वंदेभारत दो घंटे रीशेड्यूल, 5:45 की जगह अब 7:45 को छूटेगी

भिलाई। दुर्ग विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस को 2 घंटे रीशेड्यूल किया जा रहा है। 4 दिसंबर तक यह ट्रेन दुर्ग रेलवे स्टेशन से अपने निर्धारित समय 5:45 बजे की जगह 7:45 बजे छूटेगी। शुक्रवार को इस ट्रेन को दो घंटे की देरी से दुर्ग से रवाना किया गया।

दरअसल आंध्रप्रदेश में वाल्टेयर डिवीजन के कोमटीपल्ली रेलवे स्टेशन पर कंस्ट्रक्शन कार्य किया जा रहा है। इसके कारण कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। इसी वजह से दुर्ग विशाखापट्नम वंदेभारत एक्सप्रेस को भी रीशेड्यूल किया गया। 29 से 4 दिसंबर तक यह ट्रेन अपने निर्धारित समय 5:45 बजे की जगह 7:45 बजे छूटेगी। पांच दिसंबर से ट्रेन फिर से अपने समय पर चलने लगेगी।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री सोमन्ना आज छत्तीसगढ़ दौरे पर, रायपुर से जाएंगे कोरबा

रायपुर। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना शुक्रवार को छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर आयेंगे। शाम साढ़े पांच बजे रायपुर रेलवे स्टेशन पर उनका आगमन होगा। इसके बाद यहां से चर्चा करने के बाद कोरबा के लिये रवाना हो जायेंगे। कोरबा में रात्रि विश्राम कर अगले दिन 30 नवंबर को शहर में आयोजित कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। बताया जाता है कि कसोमन्ना जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन करेंगे। वहीं ट्रायल सेक्शन समेत कई कार्यक्रमों का अवलोकन भी करेंगे। हिगग्राहियों से चर्चा भी करेंगे।

बता दें कि इससे पहले 28 नवंबर को रेल राज्य मंत्री का रायपुर आना था पर किसी कारणों से उनका कार्यक्रम रद्द हो गया था। इसके बाद आज का शेड्यूल किया गया है। इससे पहले 26 नवंबर को केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी बैष्णव का दौरा भी रद्द हो गया था।

छत्तीसगढ़ में बदल सकता है मौसम, तूफान से बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। ठंड के बीच कोहरा और बादल छाए रहेंगे। साथ बारिश होने वाली है। एक गहरे अवदाब का क्षेत्र दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में हल्की मध्यम बारिश के आसार हैं। आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान में न ही ज्यादा और न ही कम बदलाव होगा। प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा इलाका अंबिकापुर रहा है। वहीं आज मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित गहरे अवदाब बना हुआ है। इसकी तीव्रता अगले 12 घंटे में बढ़ाने की संभावना है। इस क्षेत्र के उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़कर उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तट से गुजरने की संभावना है। इसके प्रभाव से 30 नवंबर से छत्तीसगढ़ में एक-दो जगह पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।

फ्लाईओवर पर बड़ा हादसा, संतरा व अनार से भरी पिकअप सामने ट्रक से भिड़ी

फ्लाईओवर पर चंद्रा मौर्या टाकीज के पास हुआ हादसा, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेशनल हाइवे सुपेला फ्लाईओवर पर शुक्रवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। नागपुर से आ रही पिकअप सामने जा रहे भारी वाहन से भिड़ गई। हादसे में पिकअप का हेल्पर साइड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस पेट्रोलिंग ने ट्रक में फंसे पिकअप को फ्लाईओवर से नीचे उतरवाकर साइड किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा सुपेला फ्लाईओवर पर चंद्रा-मौर्या टाकीज के पास यह हादसा हुआ है। नागपुर से संतरा व अनार लोड कर पिकअप क्रमांक एमएच 30 बीडी 5621 पावर हाउस फलमंडी जा रही थी। इस दौरान फ्लाईओवर के ऊपर सामने से जा रही ट्रक क्रमांक एमएच 12 एनएक्स 1974 को पीछे से ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप ट्रक के पीछे फंस गई। पिकअप का हेल्पर साइड बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि पिकअप चालक को हल्की झपकी आने से यह हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में राज कुंद्रा पर ईडी का शिकंजा घर-कार्यालयों पर छापेमारी; यूपी-मुंबई में दबिश

मौसम विभाग ने कहा - मैदानी इलाकों में बढ़ रही है ठंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंबई ए.। मोबाइल एप के जरिए अश्लील सामग्रियों को तैयार करने और प्रसारित करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कारोबारी राज कुंद्रा के घर और कार्यालयों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने शुक्रवार को अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति समेत कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की। मुंबई और उत्तर प्रदेश में करीब 15 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। जांच मोबाइल एप्लीकेशन और अन्य माध्यमों से पोर्नोग्राफिक सामग्री के कथित वितरण में संदिग्धों की भूमिका से संबंधित है।

सूत्रों की मानें तो केंद्रीय जांच एजेंसी इनमें से किसी एक परिसर में राज कुंद्रा से पूछताछ भी कर रही है। मई 2022 का यह धन शोधन मामला राज कुंद्रा और अन्य के खिलाफ दायर मुंबई पुलिस की कम से कम दो प्राथमिकियों और आरोप-पत्रों से निकला है। राज कुंद्रा और कुछ अन्य को पुलिस ने मामले में गिरफ्तार भी किया था और बाद में उन्हें जमानत दे दी गई थी।

राज कुंद्रा के खिलाफ यह दूसरा धन शोधन मामला है। इस साल की शुरुआत में ईडी ने क्रिप्टो करेंसी मामले में राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की 98 करोड़ की संपत्ति कुर्क की थी। हालांकि, दंपति को ईडी के इस कुर्की आदेश के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत मिल गई थी।

जांच एजेंसी के मुताबिक, 'हॉटशॉट्स' एप का इस्तेमाल आरोपी व्यक्तियों की ओर से अश्लील सामग्री अपलोड करने और स्ट्रीम करने के लिए किया जा रहा था। राज कुंद्रा ने दावा किया था कि कथित संदिग्ध पोर्न सामग्री के निर्माण में उनके सक्रिय रूप से शामिल होने का कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा था कि उन्हें झूठा फंसाया गया है और उनका नाम एफआईआर में भी नहीं है और मामले में प्रतिवादी (पुलिस) की ओर से उन्हें घसीटा गया है। राज कुंद्रा ने याचिका में दावा किया कि बलि का बकरा बनाया जा रहा है। पुलिस ने दो महिलाओं से मिली शिकायतों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी, जबकि एक अन्य महिला ने मुंबई से लगभग 120 किलोमीटर दूर लोनावला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

संभल हिंसा : हाईकोर्ट के आदेश तक ट्रायल कोर्ट न करे कोई भी कार्रवाई- सुको

संभल ए.। यूपी में संभल हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश देते हुए निचली अदालत से संभल जामा मस्जिद मामले पर सुनवाई न करने को कहा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी हिदायत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है और कहा कि अब हाईकोर्ट के निर्देश पर ही कोई कार्रवाई हो सकेगी।

दरअसल मस्जिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर कर मस्जिद का सर्वे कराने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि वह उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कुछ अहम निर्देश दिए, जिनके मुताबिक निचली अदालत को इस मामले पर सुनवाई करने से 8 जनवरी तक रोक दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत के फैसले से उन्हें कुछ आपत्तियां हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय द्वारा किए जाने का निर्देश दिया है। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने उच्च न्यायालय से याचिका दायर होने के बाद तीन दिनों में याचिका पर सुनवाई करने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि निचली अदालत के आदेश के बाद एडवोकेट कमिश्नर द्वारा संभल जामा मस्जिद का सर्व किया गया। इस सर्वे के दौरान ही बीते दिनों संभल में हिंसा भड़की, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हालात को देखते हुए एडवोकेट कमिश्नर की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने और जारी न करने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश प्रशासन को हिदायत दी है कि शांति और सद्भाव का माहौल कायम रखा जाए।

भारतीय नौसेना की बड़ी कार्रवाई, अरब सागर में जब्त की 500 किलो ड्रग्स

श्रीलंका की नौसेना के साथ मिलकर भारतीय सेना ने की संयुक्त कार्रवाई

चेन्नई ए.। भारतीय नौसेना ने श्रीलंका की नौसेना के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अरब सागर से 500 किलो ड्रग्स जब्त की है। जब्त की गई ड्रग्स क्रिस्टल मेथ है, जिसे दो नौकाओं से जब्त किया गया। जब्त की गईं दोनों नौकाएं, उसमें सवार लोग और ड्रग्स श्रीलंका सरकार को सौंप दिए गए हैं, जहां उनके खिलाफआगे की कानूनी कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में देश में विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने पर ड्रग्स जब्त की गई है।

हाल ही में भारतीय तटरक्षक बल ने 5,500 किलो मेथाम्पटामिन ड्रग्स जब्त की थी, यह जब्ती अंडमान-निकोबार के समुद्री इलाके से की गई थी। तटरक्षक बल के एक पायलट ने रूटीन सर्विलांस के दौरान अंडमान निकोबार के बैरेन आइलैंड पर एक संदिग्ध नौका को देखा। चेतावनी के बाद भी जब क्रू ने नौका को भगाने की कोशिश की तो तटरक्षक बल ने कार्रवाई करते हुए नौका को जब्त कर लिया।

भारत में इतने बड़े पैमाने पर ड्रग्स जब्त होने की क्या है वजह

ड्रग्स तस्करी न सिर्फदेश की सुरक्षा बल्कि जन स्वास्थ्य सुरक्षा, राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास को बुरी तरह प्रभावित करती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में ड्रग्स तस्करी का मौजूदा बाजार करीब 650 अरब डॉलर का है, जो पूरी दुनिया में अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। भारत का दुर्भाग्य ये है कि देश ड्रग्स तस्करी के गोल्डन ट्रायंगल (गोल्डन त्रिकोण) में फंसा हुआ है। म्यांमार, अफगानिस्तान के बाद अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक और हेरोइन का सबसे बड़ा सप्लायर है। इसके चलते म्यांमार से भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में ड्रग्स तस्करी बड़े पैमाने पर होती है। इसके अलावा अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान भी ड्रग्स तस्करी के लिए बदनाम हैं। इन तीनों देशों के अपराधी अपनी ड्रग्स भारत में खपाते हैं, साथ ही भारत के समुद्री इलाकों से बड़े पैमाने पर ड्रग्स की तस्करी होती है और इसे पश्चिमी और दुनिया के अन्य देशों में भेजा जाता है। यही वजह है कि अक्सर भारत में बड़े पैमाने पर ड्रग्स की जब्ती के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं।

Digital Display Board
एलईडी स्क्रीन वॉल :-
दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, चांपा, मुंगेली
एलईडी टी.वी. :-
रायपुर, बिलासपुर व दुर्ग रेलवे स्टेशनों में
360 सेटेड एलईडी, स्क्रीन वैन छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में
19 एलईडी स्क्रीन वॉल
बिलासपुर रेलवे स्टेशन में स्थापित
48 एलईडी टीवी
Harsh Media Advertisers
- रायपुर
- दुर्ग
- बिलासपुर
- कोरबा
- रायगढ़
- चांपा
- मुंगेली
Bhagat singh Chowk, Near CM House, Raipur, Chhattisgarh
Contact: 9131425618, 9827806026

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने सही किया, मैसेज दे दिया

हर विधानसभा या लोकसभा चुनाव के बाद कोई न कोई सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है कि चुनाव में उपयोग की जाने वाली ईवीएम में गड़बड़ी हो रही है।इससे गड़बड़ी करने वाला जीत जाता है और गड़बड़ी न करने वाला हार जाता है। यानी निष्पक्ष चुनाव नहीं हो रहे है। ईवीएम के रहते अब निष्पक्ष चुनाव हो ही नहीं सकते,इसलिए ईवीएम की जगह मतपत्र से चुनाव कराया जाना चाहिए। महाराष्ट्र चुनाव में एमवीए की हार नहीं बुरी हार हुई है।इसलिए वह स्वीकार नहीं कर पा रही है कि भाजपा की महाविजय कैसे हो सकती है और हमारी महापराजय कैसे हो सकती है।चुनाव में किसी की महाविजय होती है तो स्वाभाविक है कि महापराजय भी तो होती है।

> *भाजपा जानती है कि महाविजय के लिए बहुत ज्यादा मेहनत भी करनी पड़ती है, अपनी मेहनत के कारण ही भाजपा महाराष्ट्र ही नहीं कई राज्यों में रिकार्ड सीटें जीत चुकी हैं। कई राज्यों में तीसरी बार सरकार बना चुकी है, कांग्रेस सहित कई राजनीतिक दल मेहनत न करने के कारण एक राज्य में चुनाव जीत नहीं पाते हैं तो उनको यकीन नहीं होता है कि कोई इतनी ज्यादा सीटें भी जीत सकता है। कई बार चुनाव परिणाम चमत्कार जैसे होते हैं, जैसे हरियाणा का, जैसे मप्र का,जैसे छत्तीसगढ़ का कांग्रेस मेहनत करने की जगह मानकर चल रही थी कि यहां की जनता भाजपा नाराज है, भाजपा को हराएगी लेकिन भाजपा ने तीनों राज्यों में जीतकर कांग्रेस को हैरान परेशान कर दिया।*

भाजपा ऐसा कर सकती है, इसलिए वह ऐसा कई राज्यों में कर चुकी है और महाराष्ट्र में भी कर दिखाया है।कांग्रेस हार को सहज रूप से स्वीकार करने की जगह हार के लिए बहाने बना रही है। ईवीएम को दोष दे रही है। मतपत्र से चुनाव कराने की मांग कर रही है, जैसे मतपत्र से चुनाव कराने पर कोई गड़बड़ी नहीं होगी। जिन लोगों ने मतपत्र वाले चुनाव देखें हैं उनको ईवीएम से चुनाव बहुत अच्छा लगेगा। क्योंकि इसमें मतपत्र से चुनाव में जिस तरह की गड़बड़ी होती है, वैसी गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। कोई बूथ नहीं लूट सकता, कोई बहुत सारे वोट एक साथ डाल नहीं सकता, कोई किसी को वोट देने से रोक नहीं सकता। चुनाव में खूब हिंसा होती थी, लोग डर के मारे वोट डालने नहीं जा पाते थे।

यही वजह है महाराष्ट्र चुनाव के बाद कोई पाल सुप्रीम कोर्ट याचिका लेकर पहुंचा कि ईवीएम से होने वाले चुनाव में गड़बड़ी हो रही है, इसलिए मतपत्र के चुनाव कराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट उनकी याचिका खारिज कर दी और कहा कि जब भी कोई चुनाव हारता है तो ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाता है। वही चुनाव जीत जाता है तो ईवीएम ठीक हो जाती है, उसके बार में कुछ नहीं कहा जाता है। कांग्रेस इसका उदाहरण है, वह कर्नाटक,हिमाचल व तेलंगाना में चुनाव जीतती है तो ईवीएम के बारे में कुछ नहीं कहती है लेकिन हरियाणा व महाराष्ट्र में चुनाव हारने पर ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाती है। ऐसा करके वह खुद को एक्सपोज करती है कि वह गलत कह रही है।

यदि ईवीएम में छेड़छाड़ संभव होता तो कांग्रेस चार व नौ का चुनाव जीतने के बाद 14 का चुनाव कैसे हार जाती।यदि ईवीएम में छेड़छाड़ संभव होता तो कई राज्यों में भाजपा हारी है तो कैसे हार गई है। दूसरे दल जीते हैं तो कैसे जीते हैं।भाजपा महाराष्ट्र जीती है तो झारखंड हारती भी है। झारखंड में ईवीएम में कोई गड़बड़ी की बात नहीं कर रहा है लेकिन महाराष्ट्र में हारने वाले ईवीएम में छेड़छाड़ की बात कर रहे हैं। ईवीएम से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। यह तो कंप्यूटर एज से वाले कलम वाले युग में लौटने की बात करने जैसा है, इसे आज कोई कैसे पसंद कर सकता है।

कांग्रेस समय की धारा के विपरीत चलने की बात कर रही है, उसकी बात कोई सुनेगा नहीं,मानेगा नहीं क्योंकि सब चाहते हैं काम कम से कम समय में हो। विदेशी तारीफ करते है कि भारत में एक दिन 64 करोड़ वोटों की गिनती हो जाती है। पहले इस काम में कई दिन लगते थे, इसमें तरह तरह की गड़बड़ी होने की गुंजाइश होती थी, अब ईवीएम के आने के बाद एक दिन में मतगणना हो जाती है और उसी दिन रिजल्ट भी आ जाता है।

हकीकत यह है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी में चुनाव जिताने की क्षमता है नहीं, वह मोदी के खिलाफबातें तो बड़ी बड़ी करते हैं लेकिन जब चुनाव में मोदी से आमना सामना होता है तो राहुल गांधी मोदी से हार जाते हैं। राहुल गांधी मोदी से हार गए यह स्वीकारना कांग्रेस के लिए बहुत शर्म की बात है, इसलिए राहुल को हारा हुआ नहीं गड़बड़ी कर हराए गए नेता के रूप में पेश करने की कोशिश तो करते हैं। अभी कांग्रेसी राहुल गांधी को हार को मत स्वीकार करें, लेकिन इतिहास में तो राहुल गांधी को कांग्रेस का सबसे असफल नेता लिखा जाएगा जो एक नहीं लगातार तीन तीन चुनाव में पार्टी को जिता नहीं सके थे। राहुल गांधी के हार को स्वीकार नहीं करने से मोदी का कद कहीं से छोटा नहीं होता है, कोई नहीं कहता है कि मोदी चुनाव हार गए हैं। सब तो यही कहते हैं कि मोदी चुनाव जीतने वाले नेता है, एक नहीं तीन बार लगातार चुनाव जीतने वाले नेता हैं।

नजरिया

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

उमेश चतुर्वेदी

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था। दोनों का मानना था कि सदियों से बजबजा रहे गांव भारतीय लोकतंत्र को राह नहीं दिखा सकते।

संविधान सभा में कई मुद्दों पर सदस्यों के बीच तीखी बहसें हुईं। आज जिसे हम लोकशाही या नौकरशाही कहते हैं, उसके अधिकारों को लेकर भी तीखी बहस हुई। दिलचस्प यह है कि संविधान सभा के कई सदस्यों को ब्यूरोक्रेसी को संवैधानिक अधिकार संपन्न बनाने पर एतराज था। उनका मानना था कि वे वैसा ही काम करेगी, जैसा अंग्रेजी सरकार के दौरान करती थी। एम ए अयंगार जैसे वरिष्ठ और माननीय सवाल ने नौकरशाही को वेतन और अधिकार की गारंटी देने पर सवाल उठाते हुए पूछा था था कि जब आम आदमी को रोटी और कपड़ा की गारंटी नहीं है, तो उन अधिकारियों को गारंटी क्यों दी जाए, जो विदेशी सत्ता की कठपुतली थी। तब पटेल ने अधिकारियों को ताकत देने का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि एक बार अफसरशाही स्थापित हो जाएगी तो अधिकारी बदलाव के लिए राजी हो जाएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या अधिकारी बदलाव को राजी हुए, क्या वे लोकोन्मुख हुए, क्या उनका व्यवहार पुराने जमींदारों, रजवाड़ों या अंग्रेजों जैसा नहीं है? अपवादों को छोड़ दें तो कितने अधिकारी ऐसे हैं, जो खुद को आम लोगों जैसा मानते हैं और विशेषाधिकार नहीं चाहते ?

भारत की भाषा समस्या का समुचित समाधान संविधान में नहीं दिखता। देसी होकर भी हिंदी अब भी दक्षिण और पूर्व के कुछ राज्यों के लिए स्वीकार्य नहीं बन पाई है और विदेशी अंग्रेजी इस देश की असल ताकतवर और राजभाषा बनी हुई है। हिंदी की जगह भारतीय भाषाओं की बात करने से हिंदी विरोध की आंच धीमी तो हो जाती है, लेकिन अंग्रेजी की ताकत नहीं घटती। अंबेडकर चाहते थे कि संस्कृत राजभाषा हो, लेकिन नेहरू के दबदबे के चलते अपनी राय को मजबूती से रख नहीं पाए।

सोचिए, अगर भारत में व्यक्ति की जगह गांवों को राज्य की इकाई माना गया होता तो क्या होता? संवैधानिक उपबंधों के चलते गांव हमारे विकास प्रक्रिया और शासन की इकाई होते। तब आज का भारतीय परिदृश्य बदला हुआ होता। भारतीयता की सोंधी गमक के साथ अंदरूनी पलायन और बेरोजगारी जैसी समस्याएं काबू में रहतीं। अधिसंख्य जनसंख्या गांवों में ही रहती। शहरीकरण तेज नहीं होता और जनसांख्यिकी दबाव से शहरी ढांचा चरमरा नहीं रहा होता। इसी तरह अगर अफ़सरशाही को संवैधानिक गारंटी नहीं मिली होती तो बराबरी का भाव कहीं ज्यादा होता, तब अफ़सरशाही माने भ्रष्टाचार नहीं होता, तब हर रोग की जड़ी और इलाज अफ़सरशाही को ही नहीं माना जाता। समाज और व्यवस्था के सबसे बड़ी योग्यता अफ़सरशाही नहीं होती, तब सामाजिक परिदृश्य बदला होता। इसी तरह भाषाओं को लेकर आए दिन होने वाली लड़ाइयों की गुंजाइश नहीं होती।

(ये लेखक के विचार हैं)

यहूदी विरोधी हमला भयानक, वीभत्स राक्षस बना मानव

बलबीर पुंज

सोशल मीडिया के वीडियो में दिखा है कि लोग यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोड़फोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। बीते दिनों यूरोपीय देश नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में यहूदियों को फिलीस्तीन समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया। सदियों से यहूदी मजहबी कारणों से ईसाइयत और इस्लाम के निशाने पर है। इसी तरह हिंदुओं के उत्पीड़न का भी काला इतिहास है। इन सबके सैंकड़ों नहीं, बल्कि हजारों उदाहरण और प्रमाण मौजूद है। आखिर मजहब के नाम पर व्यक्ति द्वारा अन्य इंसानों को प्रताड़ित करने के पीछे कौन-सी मानसिकता या विचारधारा है?

आखिर एम्सटर्डम में क्या हुआ था? बीते 7 नवंबर को यहां खेले में एक फुटबॉल मैच में इजराइली टीम भारी अंतर से हार गई थी। जब निराश इजराइली प्रशंसक स्टेडियम से बाहर निकले, तब फिलीस्तीन समर्थकों ने अपनी गाड़ियों में सवार होकर उन्हें दौड़ा-दौड़कर मारना-पीटना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इसकी कई वीडियो वायरल है, जिसमें यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोड़फोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी यहूदियों पर हमले को शर्मनाक और घृणित बताया है।

यूरोप में यहूदी-विरोधी हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। अकेले नीदरलैंड में वर्ष 2022-23 के बीच यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हमास के हमले के बाद ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई है। फ्रांस भी इससे अछूता नहीं है। क्या इस बवाल की जड़ें केवल 7 अक्टूबर 2023 को फिलीस्तीन समर्थक हमास जिहादियों द्वारा इजराइल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद इजराइल की अबतक जारी जवाबी सैन्य कार्रवाई (बहुपक्षीय), जिसमें 40 हजार से अधिक लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है— उसमें ही मिलती है? सच तो यह है कि यहूदियों को हालिया कारणों से ही नहीं, बल्कि मजहबी कारणों से भी उन्हें सतत उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

विश्व विख्यात इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका' में अनुसार, पहली शताब्दी में ईसाइयत के विस्तार के बावजूद अधिकांश यहूदी उसे मजहब के रूप में अस्वीकार करते रहे। इसके परिणामस्वरूप, चौथी शताब्दी तक ईसाइयों ने ईसा मसीह और चर्च को अस्वीकार करने के कारण यहूदियों को अलग समुदाय मानना शुरू कर दिया। जब ईसाई चर्च रोमन साम्राज्य में प्रभावशाली हुआ, तब उसने रोमन सम्राटों को यहूदी विरोधी कानून बनाने के लिए प्रेरित किया। इनका उद्देश्य ईसाई प्रभुत्व को चुनौती देने वाले किसी भी खतरे को समाप्त करना था। इस कारण यहूदी यूरोपीय समाज में हाशिये पर धकेल दिए गए।

इस चिंतन का भयावह रूप मध्यकाल में भी दिखा। वर्ष 1466 में तत्कालीन पोप पॉल-2 के निर्देश पर क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को सरेआम निवस्त्र करके घुमाया गया था। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बी) को जोकर के कपड़े पहनाकर उनका जुलूस निकाले जाने लगा। 25 दिसंबर 1881 को पोलैंड के वारसॉ में 12 यहूदियों को उन्मादी ईसाइयों ने निर्ममता के साथ मौत के घाट उतार दिया, तो कई महिलाओं का बलात्कार तक किया गया। इस प्रकार की प्रताड़ना के असंख्य उदाहरण है। यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में यहूदियों के लिए असुरक्षा, उत्पीड़न और हिंसा का माहौल बनाया, जो चर्च के समर्थन से यूरोपीय समाज और संस्कृति में गहराई तक समा गई, जिसने आगे चलकर 20वीं शताब्दी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर जनित होलोकॉस्ट' का रूप लिया।

हिटलर की अगुवाई में ईसाई बहुल जर्मनी ने 1933-1945 के बीच यहूदियों पर भयंकर अत्याचार हुआ था। इसे प्रारंभ में चर्च का मुखर समर्थन प्राप्त था। एक आंकड़े के अनुसार, तब लगभग 60 लाख यहूदियों (15 लाख बच्चे सहित) की हत्या कर दी गई थी। यहूदियों को जड़ से मिटाने के अपने मकसद को हिटलर ने इतने प्रभावी ढंग से अंजाम दिया कि दुनिया की एक तिहाई यहूदी आबादी खत्म हो गई। चूंकि हिटलर का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था, तो क्या उसे नरपिशाची रूप से यहूदियों के नरसंहार की प्रेरणा सदियों तक चले यहूदी-विरोधी अभियानों से मिली थी?

बात यदि भारतीय उपमहाद्वीप की करें, तो वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर कालांतर में गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया और ऐसा उनके मानसपुत्रों द्वारा आज भी हो रहा है। इन्हीं जिहादियों से प्रेरणा से भारत के एक तिहाई क्षेत्र पर इस्लाम का कब्जा (पाकिस्तान-बांग्लादेश) है, जहां इस्लाम-पूर्व संस्कृति के ध्वजावाहकों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के लिए कोई स्थान नहीं है।

यही नहीं, जब उत्तर-भारत में इस्लामी प्रचार-प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चरम पर था, तब 16वीं शताब्दी में दक्षिण-भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस ज़ेवियर ईसाइयत के प्रचार के लिए भारत पहुंचे थे। उस समय जेवियर ने गोवा इंक्विजीशन' के जरिये से गैर-ईसाइयों के साथ उन सीरियाई और मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसक मजहबी अभियान चलाया था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का अनुसरण नहीं कर रहे थे। मजहबी मतांतरण का यह कुचक्र अब भी जारी है।

क्या कारण है कि स्वघोषित सभ्य-सुसंस्कृत लोग बड़ी बेशर्मी के साथ घृणा के नायकों को गौरवान्वित करते है? यह उपयुक्त ही है कि कोई भी हिटलर का नाम नहीं रखता और उसे गाली का पर्याय माना जाता है। लेकिन क्या स्टालिन-लेनिन जैसे नामों के प्रति भी वैसा तिरस्कार का भाव नहीं होना चाहिए, जिन्होंने अपने शासन के दौरान लाखों मासूमों को उनसे असहमति रखने के कारण मौत के घाट उतार दिया था? देश में एक प्रसिद्ध फिल्मी घराने ने अपने बेटे का नाम तैमूर रखा है। वर्ष 1398 में तैमूर ने भारत पर हमला इसलिए किया था, क्योंकि उसकी शिकायत थी कि तत्कालीन इस्लामी आक्रांता स्थानीय हिंदुओं का वैसा दमन नहीं कर रहे है, जैसा एक काफिर के लिए आपेक्षित है। आखिर यह कौन सी विचारधारा है, जो एक मानव को वीभत्स राक्षस बना देती है?

(ये लेखक के विचार हैं)

अफस्पा वापस लेने का अनुरोध

हालात ऐसे बने हैं कि खुद बीरेन सिंह सरकार ने केंद्र से अफस्पा वापस लेने का अनुरोध किया है। इस कानून को लेकर मणिपुर में विरोध का लंबा इतिहास है, जिस कारण इसका नाम ही वहां नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा करता है। मणिपुर हिंसा की चपेट में है। इंफाल घाटी में विधायकों और मंत्रियों के घरों पर हुए हमले इस बात की तस्दीक करते हैं कि फिलहाल राज्य में अराजकता जैसी हालत है।

बेकाबू भीड़ पर कई जगहों पर पुलिस ने लाठी चलाई है या आंसू गैस के गोले दागे हैं। राजधानी इंफाल समेत कई इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया है। कई जगहों पर इंटरनेट सेवा बंद है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री एन. बीरेन की पीठ पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का हाथ बना हुआ है, जिनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि अब उनकी सरकार के सहयोगी दल एनपीपी ने भी समर्थन वापस ले लिया है। हैरतअंगेज है कि सवा साल से हिंसा में झुलस रहे इस राज्य में मौतों और बढ़ी सामाजिक खाई के लिए किसी की सियासी जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। इस बीच समस्या का हल सख्ती से निकालने के नजरिए के तहत केंद्र ने राज्य के छह थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार कानून (अफ्सपा) लागू कर दिया है, मगर इस फैसले से जन असंतोष और भड़क उठने के संकेत हैं।

हालात ऐसे बने हैं कि खुद बीरेन सिंह सरकार ने केंद्र को पत्र लिख कर इन थाना क्षेत्रों से अफस्पा हटाने का अनुरोध किया है। अफ्सपा के तहत सशस्त्र बलों को कार्रवाई की खास शक्तियां मिल जाती हैं। इस कानून को लेकर मणिपुर में विरोध का लंबा इतिहास है, जिस कारण इसका नाम ही वहां नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा करता है। राज्य की भाजपा सरकार ने संभवतः इसे समझते हुए ही केंद्र को चिट्ठी लिखी है। केंद्र को इस पत्र को गंभीरता से लेना चाहिए। मणिपुर में जरूरत संवाद और संवेदनशीलता की है। इसे ना दिखाने का परिणाम है कि कुकी समुदाय के इलाकों में हिंसक प्रतिक्रिया बढ़ी है, वहीं बहुसंख्यक मैतेई समुदाय में गुस्सा और ध्रुवीकरण तीखा हुआ है। ये सारा घटनाक्रम देखते-देखते विस्फोटक होता गया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार और भाजपा का नेतृत्व वहां बनते हालात से संभवतः जानबूझ कर बेखबर बना रहा है। क्या अब भी हालात को वह गंभीरता से लेगा? याद रखना चाहिए कि मणिपुर की घटनाओं से पूरा उत्तर-पूर्व प्रभावित हो सकता है।

(आरएनएस)

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 ,आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Surana Jewellers
Certified Gems
Mo. 9303452485
Jawahar Chowk, Durg

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

खास खबर

देश भर के बच्चों के बीच कविता पाठ में अव्वल रही

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई की नन्ही मेधावी बेटी सनाया शफी ने देश भर के बच्चों की एक प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर शहर का नाम रोशन किया है। सनाया ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कविता पाठ में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं कहानी सुनाने में उन्हें द्वितीय स्थान मिला है। सनाया की इस उपलब्धि से पूरा परिवार हर्षित है। सेक्टर-5 निवासी और एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत शफीउल्लाह एवं शासकीय कर्मचारी नेहा परवीन ने अपनी बेटी सनाया की उपलब्धि के बारे में बताया कि विज किड्स कार्निवाल पूरे भारत के सभी राज्यों के बच्चों के लिए ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता आयोजित करता है । प्रतियोगिता में रंग भरना, कहानी सुनाना, कहानी लेखन, कविता पाठ, विज्ञान और 30 से अधिक प्रारूप तय हैं। जिसमें बच्चे अपनी रूचि के अनुसार भाग लेते हैं। जिसमें उनकी बेटी सनाया ने हिस्सा लिया और कविता पाठ में पूरे भारत में अव्वल रही। वहीं कहानी सुनाने की प्रतियोगिता में सनाया को दूसरा स्थान मिला। सनाया शफी यहां डीपीएस भिलाई में केजी-2 की स्टूडेंट हैं। उनके दादा बीएसपी से सेवानिवृत खलीलुल्लाह और दादी छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में कार्यरत नसीम सुल्तान ने बताया कि परिवार की इस नन्ही बेटी की उपलब्धि से सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे है।

बाल विवाह रोकथाम हेतु स्कूल कॉलेजो में दिलाई गई शपथ

दुर्ग। भारत सरकार के निर्देशानुसार बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने हेतु समाज के सभी वर्गों यथा पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, नगरीय निकाय के प्रतिनिधियों, स्कूल और कालेज प्राचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्रायें, एएनएम, मितानीन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टर, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक के अधिवक्ता, कानूनी सलाहकार, पुलिसकर्मी, आंगनबाडी कार्यकर्ता, ओएससी, डब्ल्यूएचएल, बाल देखरेख संस्थायें, एचईडब्ल्यू, आजिवीका मिशन, स्व सहायता समूह, स्वयं सेवी संगठन एवं धर्म प्रमुखों अभियान में सक्रिय भागीदारी की गई है। ज्ञातव्य है कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री द्वारा 27 नवंबर 2024 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में शुभारंभ किया गया। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में बाल विवाह रोकथाम एवं जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विगत दिवस विभिन्न शासकीय व अशासकीय स्कूलों और कालेजों में जाकर बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत शपथ ग्रहण दिलाई गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रीति डांगरे, लोकमणी साहू, रत्ना पाध्ये, सीता कनोजे, विभा यादव एवं चाईल्ड हेल्प लाईन से आशीष साहू, चन्द्रप्रकाश पटेल, भारती चौबे,बजरंग बिसेन, सविता साहू ललिता मानिकपुरी शामिल हुए। जिले के विभिन्न स्कूलों और कालेजों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया गया।

दो दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर कोसा नगर में, 'प्रथम अध्यापिका क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले' फिल्म का पोस्टर भी लांच

संविधान दिवस पर चिकित्सकों ने किया 1100 से ज्यादा मरीजों का उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय संविधान दिवस पर भीम मेला समारोह कोसा नगर में विविध आयोजन हुए। यहां डॉक्टर अंबेडकर स्वास्थ्य मिशन और इंडियन अंबेडकराइट डॉक्टर्स फेडरेशन छत्तीसगढ़ की टीम ने दो दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया। वहीं समाज में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले प्रमुख व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। आयोजन में फिल्म का पोस्टर भी लांच किया गया।

आयोजन में सिद्धार्थ बौद्ध ने सभी डॉक्टरों को संविधान की प्रस्तावना की प्रति भेंट कर प्रस्तावना का पाठ कराया। लगातार चिकित्सा शिविर लगाने हेतु इस शिविर की संयोजिका प्रेरणा धाबर्डे को बौद्ध कल्याण समिति कोसा नगर भिलाई के अध्यक्ष आयुष्मान नरेंद्र शेन्डे की समिति ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सभी डॉक्टरों को पंचशील का दुपट्टा पहनाकर और मोमेंटो देकर मंच से सम्मानित किया। प्रेरणा यूनिवर्सल फिल्म प्रोडक्शन हाउस भिलाई द्वारा निर्मित बॉलीवुड हिंदी फिल्म 'प्रथम अध्यापिका क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले' का पोस्टर भी मंच से लॉन्च किया गया जिसे छत्तीसगढ़ में फिल्माया जाएगा।

यहां दो दिवसीय चिकित्सा शिविर में 1150 मरीजों की जांच की गई। इनमें ज्यादातर मरीज सर्दी खांसी और त्वचा संबंधी व्याधियों से ग्रसित थे। कई लोगों का रक्तचाप बहुत ज्यादा बढ़ा हुआ था उन्हें भी आवश्यक दवाइयां के साथ जरूरी हिदायतें दी गई। दर्द के पुराने मरीजों को भी एक्यूप्रेशर से काफी आराम मिला।

आयुष्मान चंद्रशेखर जनबंधु ने डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लिए निशुल्क चाय और कॉफी की व्यवस्था लगातार दो दिन की। आयुष्मान बुधराम मेश्राम ने अपने हाथों से बनाएं थर्मोकोल की मूर्तियां सभी मेडिकल स्टाफ को चिकित्सा सेवाएं देने हेतु आशीर्वाद स्वरुप भेट दी। इस शिविर में लगातार 30 वर्षों से डॉक्टर्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से डॉक्टर उदय धाबर्डे सर्जन, डॉक्टर शिरसाट फिजियोथैरेपिस्ट, डॉ अखिल धर बनर्जी चेस्ट फिजिशियन, डॉक्टर जीवन लाल घीडले डीएम गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, डॉ अरुण निकोसे वरिष्ठ फिजीशियन, डॉक्टर अशोक कुमार वरिष्ठ आप्थाल्मोलॉजिस्ट, डॉ भूमिका तभाने आयुर्वेदाचार्य, डॉक्टर अरविंद चौधरी आयुर्वेदाचार्य, डॉक्टर वेदिता जोग आयुर्वेदाचार्य , डॉक्टर राजकुमार दामले पैथोलॉजिस्ट, डॉक्टर गिरीश उमरेडकर ईएनटी स्पेशलिस्ट, हरिदास मेश्राम एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ , मंगला जाधव एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ, डॉ भूषण भोईर दंत रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर सोनिका बोधि दंत मसूड़ा रोग विशेषज्ञ और डॉक्टर फरहाना परवीन दंत रोग विशेषज्ञ आदि ने अपनी सेवाएं दी। चिकित्सा व्यवस्था में तथा दवाई वितरण में सहयोगी माया राउत, योगेश सहारे और अनिल जोग ने विशेष सहयोग दिया। शिविर का संयोजन आयुष्मति प्रेरणा ने किया।

कन्वर्टर शॉप एसएमएस-2 में ऑटो-कपलर सिस्टम का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 ने ऑपरेशन कार्य प्रणाली में सुरक्षा संबंधी सुधारों को बेहतर करने के लिए ऑटो कपलर सिस्टम लगाने की योजना बनाई है। ऑटो कपलर को इन-हाउस संसाधनों के माध्यम से कनवर्टर 'ए' और लेडल नंबर 28 की स्टील कार में फिट किया गया है और सफलतापूर्वक परीक्षण किए गए हैं। एसएमएस-2 के कन्वर्टर 'ए' में नव स्थापित ऑटो-कपलर सिस्टम का उद्घाटन, भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा 28 नवंबर 2024 को किया गया।

इस अवसर पर इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार और कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार उपस्थित थे। साथ ही मुख्य महाप्रबंधक एस के घोषाल और एसएमएस-2 के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण इस उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इस परियोजना को मुख्य महाप्रबंधक एस के घोषाल के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। जिसमें महाप्रबंधक के राजकुमार, महाप्रबंधक एस के मलिक, महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव, महाप्रबंधक सिजॉय जैकब, उपमहाप्रबंधक कमलेश्वर शर्मा शामिल थे। वर्तमान में स्टील लेडल्स में पर्जिंग होज़ को जोड़ने और अलग करने के लिए मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, जो कि एक जोखिमपूर्ण प्रक्रिया है। ऑटो-कपलर सिस्टम की स्थापना से न केवल मैनुअल हस्तक्षेप खत्म होगा बल्कि समय की बचत होगी और प्रक्रिया से सुरक्षा संबंधी खतरा भी खत्म होगा। इस उपलब्धि के लिए, सयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता और कार्यपालक निदेशकों ने एसएमएस-2 के साथ-साथ सभी सहयोगी विभागों को भी बधाई दी।

स्टील बनाने और लेडल के माध्यम से परिवहन की प्रक्रिया में, टैपिंग के दौरान फेरो-एलॉय के मिश्रण की तकनीकी आवश्यकता होती है। लिक्विड स्टील को कंटीन्यूअस कास्टिंग के लिए भेजे जाने से पहले उस मिश्रण को समरूप (होमोजेनाइजेश्ड) बनाना पड़ता है। इस दौरान थर्मल स्ट्रेटिफिकेशन के प्रभाव को भी ध्यान रखा जाता है। स्टील लेडल की ऑनलाइन पर्जिंग, इन्हीं प्रक्रियाओं से सम्बंधित विषयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्टील की लेडलों को नीचे की ओर पर्जिंग प्लग के साथ लगाया जाता है, जो लिक्विड स्टील में निष्क्रिय गैसों को इंजेक्ट करने की अनुमति देते हैं।

चरोदा के आदर्श नगर में उल्टी दस्त की स्थिति नियंत्रण में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम भिलाई-चरोदा के वार्ड नंबर 23 एस.एस.के. आदर्श नगर चरोदा में 27 नवम्बर 2024 को उल्टी-दस्त की आऊटब्रेक की सूचना प्राप्त होने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के निर्देशानुसार प्रभारी जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एन.एच.एम. डॉ. भूमिका वर्मा के मार्गदर्शन में 28 नवम्बर 2024 को जिला महामारी विशेषज्ञ श्रीमती रितिका मसीह, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक चरोदा विवेक मिंज व स्वास्थ्य विभाग के मैदान अमलो द्वारा संकमित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। शहरी खंड चिकित्सा अधिकारी, चरोदा व खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन के द्वारा वार्ड नं. 23 एस.एस.के. आदर्श नगर चरोदा में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की टीम द्वारा शिविर लगाकर प्रभावित मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी से मिली जानकारी अनुसार 28 नवम्बर 2024 को उक्त संक्रमित क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 01 एवं दस्त के 01 इस प्रकार कुल 02 नये मरीज मिले। 25 से 28 नवम्बर 2024 तक वार्ड नं. 23 एस.एस.के. आदर्श नगर चरोदा में कुल 28 व्यक्ति प्रभावित हुये।

सेक्टर 4 बोरिया मार्केट में आधुनिक शौचालय निर्माण का कार्य प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिका निगम भिलाई के भिलाई स्टील प्लांट क्षेत्र में स्थित सेक्टर 4 बोरिया मार्केट में आधुनिक सर्व सुविधायुक्त सार्वजनिक शौचालय का कार्य प्रारंभ हो गया है। जिले में पहली बार इस प्रकार का 10 सीट वाला शौचालय बन रहा है, जो बायोडिग्रेडेबल, पूरी तरह से आधुनिक, प्रदूषण मुक्त होगा।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इसका निर्माण किया जा रहा है। बोरिया मार्केट के पास सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से लोगों को तकलीफहो रहा था। विशेष करके मार्केट के व्यवसायी, आने जाने वाले नागरिक, भिलाई स्टील प्लांट में कार्य करने वाले कर्मी, ठेका कर्मचारी, वहां पर गाड़ी खड़ा करने वाले ट्रक, डंपर आदि को परेशानी हो रही थी।

गौरतलब है कि नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी आधुनिक शौचालय के निर्माण हेतु ले-आउट करने जाते थे। कुछ स्थानीय लोगों द्वारा अनावश्यक रूप से विरोध किया जा रहा था। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आने के बाद उनके द्वारा पहल किया गया। भिलाई स्टील प्लांट एवं पुलिस बल की सहयोग हेतु पत्र लिखा गया। आज पुलिस बल के सहयोग से लेआउट करके कार्य प्रारंभ कराया गया। स्थानी व्यापारियों एवं लोगों को जो परेशानी थी उसके बारे में उन्हें समझाया गया। केंद्र सरकार के सहयोग से सर्व सुविधा युक्त आधुनिक शौचालय निर्मित हो रहा है। इस प्रकार का शौचालय सबके लिए बहुत उपयोगी होगा। भिलाई-दुर्ग क्षेत्र मंर नई पद्धति से आधुनिक प्रकार का शौचालय पहली बार बन रहा है। अंत में सबके सहमति से शौचालय के ले-आउट करके निर्माण शुरू किया गया।

कार्यवाही के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, अभियंता बसंत साहू, दीपक देवांगन, भिलाई स्टील प्लांट के अतिक्रमण हटाओ दल, भट्टी थाने से पुलिस बल की उपस्थिति में कार्य संपादित करवाया गया।

छमाही प्रदर्शन की समीक्षा पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के व्यवसाय उत्कृष्टता विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहली छमाही प्रदर्शन की समीक्षा पर 27 नवंबर 2024 को महात्मा गांधी कला मंदिर में लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन किया। निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता और कार्यपालक निदेशकों ने भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न वर्गों के कार्मिकों को संबोधित किया। उन्हें उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्हें वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, कार्यपालक निदेशक डॉ रवींद्रनाथ एम, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार और कार्यकारी कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार सहित मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, बीएसपी-ऑफिसर्स एसोसिएशन, डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन, वर्कर्स यूनियन, एससी/एसटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण और बड़ी संख्या में बीएसपी-कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही के दौरान संयंत्र के प्रदर्शन की समीक्षा और भविष्य के लक्ष्यों, चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा की गई। साथ ही पिछले एलजीआई के लक्ष्यों की प्राप्ति, कार्मिक सुविधाओं सम्बंधी विषयों और संयंत्र के अंदर और बाहर सुरक्षा संबंधी अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान पहली छमाही में संयंत्र के प्रदर्शन की समीक्षा पर आधारित प्रस्तुतीकरण, विभिन्न विभागों द्वारा दी गई, जिसके पश्चात बीएसपी कर्मचारियों के साथ प्रस्तुतीकरण पर आधारित इंटरैक्शन सत्र किया गया।

निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, कि हम वित्त वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपकी अपेक्षाओं और सुझावों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। दासगुप्ता ने कहा 'सुरक्षा ही सर्वोपरी' है। उन्होंने कहा, उत्पादन का सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर सुरक्षा है, जिसमें उपकरणों की सुरक्षा, हमारी अपनी सुरक्षा और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा शामिल है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुशल और त्वरित संचार सबसे महत्वपूर्ण कारक है। हमारे सुरक्षा अनुपालन में सुधार से न केवल हमारे उत्पादन में सुधार होगा, बल्कि हमारे संयंत्र की उत्पादकता, टेक्नो-इकोनॉमिक्स और लाभप्रदता में भी सुधार होगा। अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा कि हमें स्थायी भविष्य प्राप्त करने के लिए मेकेनिज्म और इनोवेशन का उपयोग करके कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने का भी प्रयास करना चाहिए।

एलजीआई सत्र में प्रतिभागियों को भी भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया, ताकि वे अपने संबंधित शॉप्स और इकाइयों में प्रदर्शन से संबंधित मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त कर सकें और ऐसे मुद्दों के बारे में वरिष्ठ प्रबंधन से सवाल पूछ सकें और उनका समाधान प्राप्त कर सकें। अनिर्बान दासगुप्ता और उपस्थित कार्यपालक निदेशकों ने उनके प्रश्नों का उत्तर दिया और उनके द्वारा पूछे गए विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किये।

खास खबर...

इभानन साहू ने स्पेशल ओलंपिक्स एशिया-पैसिफिक में हासिल किया दो रजत व एक कांस्य पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ी व ऑटिज्म से पीड़ित 23 वर्षीय इभानन साहू ने पिछले दिनों दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स एशिया-पैसिफिक्र के बौची बाल और बॉलिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत श्रेणी और मिश्रित टीम श्रेणी में रजत पदक के साथ ही युगल टीम श्रेणी में कांस्य पदक हासिल कर ना कि छत्तीसगढ़ बल्कि भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। उल्लेखनीय हैं कि असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया और तीन पदक जीते। इभानन साहू के पिता डॉ मनोज साहू एक सरकारी कर्मचारी हैं और माता तेजश्री साहू, ने अपने जीवन को इभानन के लिए समर्पित कर दिया है।

उल्लेखनीय हैं कि स्पेशल ओलंपिक्स एक वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो बौद्धिक दिव्यांगता वाले एथलीटों के लिए साल भर खेल प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। 1968 में स्थापित, यह संगठन 192 देशों में संचालित होता है और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों की समावेशिता की भावना को बढ़ावा देता है।

व्यापारिक संघों को आईडीबीआई करेंसी चेस्ट ने वितरित किया करेंसी नोट व चिल्हर

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि बुधवार, 27 नवम्बर को चेम्बर कार्यालय, चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में आईडीबीआई बैंक पचपेड़ीनाका, रायपुर शाखा के द्वारा चेम्बर से संबद्ध एसोसियेशन- रायपुर प्लायवुड टेऊडर्स एसोसियेशन, रायपुर मशीनरी मर्चेन्ट एसोसियेशन, डुमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ एवं रायपुर स्वीट एंड स्नैक्स एसोसियेशन को 1, 2, 5, 10 एवं 20 के सिक्के तथा 20, 50 एवं 100 रुपये के करेंसी नोट का वितरण किया गया।

संविधान दिवस पर रायपुर रेल मंडल ने ली शपथ

रायपुर। 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को स्वीकृत किया गया था जिसे 26 जनवरी, 1950 में लागू किया गया और वर्तमान इसी संविधान की बदौलत आज भारत पूरे विश्व में सबसे बडे लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है ।

इसी कड़ी में 26 नवम्बर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रायपुर में रायपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियो को संविधान दिवस पर संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों का स्मरण किया और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं बंधुता बढ़ाने वाली संविधान की उद्देशिका को पढ़कर शपथ ली गई। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के समस्त विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

आयुक्त के निर्देश पर वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सेल की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर डाटा सेंटर के वीडियो कांफ्रेंस हाल में रायपुर जिला वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सेल की बैठक निगम मुख्य अभियंता यू. के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा, डी. के. पैकरा, सहायक अभियंता स्वच्छ भारत मिशन योगेश कडु, उप अभियंता रमेश पटेल सहित बिरगांव नगर पालिक निगम, रायपुर आरटीओ कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य पर्यावरण संरक्षण मंडल, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास

निगम, नगर निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग, स्वच्छ भारत मिशन शाखा, उद्यान विभाग के प्रतिनिधि अधिकारियों की उपस्थिति में हुई।

बैठक में 15 वें वित्त आयोग मद के वायु गुणवत्ता सुधार के कार्यों की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में नगर निगम लोक कर्म विभाग के अभियंताओं को सड़कों की मरम्मत एवं सुधार के कार्य करने, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सफाई और खुले में कचरा जलाने पर कार्यवाही करने, आरटीओ कार्यालय के अधिकारियों को प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर लगातार कार्यवाही करने, 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को नागरिकों को प्रदूषण नियंत्रण हेतु सहभागिता देने प्रोत्साहित कर शीघ्र पुराने वाहनों को स्क्रेप करवाने, पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारियों को शहर में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगातार जनजागरण अभियान चलाकर कार्यवाही करने, उद्योगों में वायु प्रदूषण को कम करने के उपाय एवं उपकरणों की जांच करने, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम को औद्योगिक क्षेत्रो में प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करने, कोयला, लकड़ी जलाने की घटनाओं पर कारगर अंकुश लगाने कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सेल की हर दो माह में नगर निगम रायपुर में नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर नियमित बैठक होती है। आने वाले दिनों में अत्यधिक धूल वाली सड़कों में एस टी पी के उपचारित जल का छिड़काव करने हेतु रूट प्लान जल विभाग के माध्यम से तैयार कर किया जाना है। साथ ही सी एंड डी प्लांट में शहर के सी एंड डी वेस्ट को भेजकर पेवर तैयार किया जाना निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना : रायपुर में 100 ई बसों को चलाने की तैयारी

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने कार्य शीघ्र सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाने निविदा बुलाने के दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर में प्रधानमंत्री ई बस योजना के अंतर्गत 100 ई बसें चलाने की शीघ्र तैयारी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंषा अनुसार केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा निर्धारित क्रियान्वयन एजेंसी रायपुर अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी को बस डिपो सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु जारी केन्द्रांश राशि रुपए 8 करोड 60 लाख के अनुपातिक राज्यांश राशि रुपए 5 करोड 73 लाख तथा बीटीएम पावर इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु केन्द्रांश राशि रुपए 12 करोड 90 लाख इस प्रकार कुल राशि रुपए 27 करोड 23 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा आमंत्रण की अनुमति प्रदान की गई है।

राज्य शहरी विकास अभिकरण छ.ग. द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मार्गदर्शन में राजधानी शहर रायपुर में शीघ्र 100 इलेक्ट्रीक बसों का संचालन प्रारंभ करने की शानदार सौगात मिलने जा रही है। इस हेतु आमानाका बस डिपो में चार्जिंग सिस्टम लगाया जायेगा। डिपो में इलेक्ट्रीकल संबंधी कार्य निरंतर प्रगति पर है। प्रधानमंत्री ई बस योजना के शीघ्र क्रियान्वयन से राजधानी शहर रायपुर में वायु प्रदूषण कम होगा एवं लोगो को इसका लाभ मिलेगा। नगर वासियों को नगर में विष्णु के सुषासन का प्रत्यक्ष सकारात्मक प्रभाव प्रधानमंत्री ई बस योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन से शीघ्र देखने को मिलेगा।

कलेक्टर एवं जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी रायपुर के पदेन अध्यक्ष डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं निगम आयुक्त और जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी रायपुर के पदेन सचिव अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री ई बस योजना के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा दी गई स्वीकृति के अनुरूप शीघ्र नियमानुसार निविदा बुलवाने के निर्देष दिये गये है। कार्य को केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ शासन की लोकहितैषी मंषा के अनुरूप सर्वोच्च प्राथमिकता देने कहा गया है। जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी की नियमावली के अनुपालन तथा अन्य आनुशांगिक नियमों का पालन करते हुए आगामी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जावेगी। स्वीकृत राशि का उपयोग बस डिपो सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर एवं बीटीएम पावर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण कार्य हेतु किया जावेगा। अन्य किसी भी तरह का भुगतान निषेध होगा।

कार्य विभाग मैनुअल के प्रावधानों एवं विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए, कार्यवाही की जावेगी। स्वीकृत राशि से अधिक व्यय होने की दशा में अतिरिक्त राशि का व्यय सोसायटी को स्वयं वहन करना होगा। भारत सरकार, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना अंतर्गत जारी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जावे। राज्य शासन तथा नोडल एजेंसी सूडा द्वारा समय -समाय पर जारी निर्देशों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से तकनीकी स्वीकृति एवं अन्य आवश्यक अनुमति, अनापत्ति प्राप्त कर ली जावे, ताकि निर्धारित समय सीमा अंतर्गत कार्य पूर्ण किया जा सके। निर्माण कार्य सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित डीपीआर नक्शे एवं ले-आऊट अनुसार किया जावे। योजनांतर्गत रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान एवं दक्ष ऊर्जा उपकरणों का उपयोग किया जाना सुनिश्चित किया जावे।

धान मिंजाई के दौरान सुरक्षा का रखें ध्यान, पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा किसान भाइयों से अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में प्राय: सभी स्थानों पर अब धान की फसल पक चुकी है तथा किसानों द्वारा धान की मिंजाई का कार्य थ्रेसर मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान खेत खलिहानों से गुजरने वाली लाइनों पर दुर्घटना की कुछ खबरों ने पॉवर कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया है। दुर्घटना के कारणों और निदान के संबंध में पॉवर कंपनी द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें किसान भाइयों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

धान मिंजाई का कार्य थ्रेसर मशीनों से किया जाता है। इस दौरान खेत-खलिहानों से गुजरने वाली एलटी लाइनें, 11 केवी तथा 33 केवी लाइनों में जाकर मिंजाई के दौरान उडने् वाला पैरा या भूसा, लाईनों में जा कर चिपक जाता है। प्रात: काल ओस के कारण पैरा या भूसा में नमी आती हैं तब लाइनों के तार आपस में सम्पर्क में आते है। जिससें निर्बाध विद्युत व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार किसानों द्वारा धान मिंजाई के कार्य के उपरांत पैरा या भूसा का ढेर विद्युत लाइनों के नीचे रखने से भी पैरा या भूसा में आग लगने की संभावना लगातार बनी रहती है, जिससे जान-माल की हानि के अलावा लम्बा विद्युत व्यवधान होने की संभावना भी रहती है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि इस समस्या से निदान पाने के लिए विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों तथा मैदानी अधिकारियों द्वारा किसानों से लाइनों के नीचे धान मिंजाई का कार्य नहीं करने हेतु आग्रह किया गया है। ऐसी सावधानी प्रदेश के सभी स्थानों पर बरती जानी चाहिये।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रायपुर ग्रामीण क्षेत्र कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा ने बताया कि रायपुर ग्रामीण, धमतरी, कुरूद, गरियाबंद, महासमुंद, सरायपाली, बलौदाबाजार के मैदानी अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा सचिवों से व्यक्तिगत संपर्क कर आग्रह किया गया है कि विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से बनाये। रखने हेतु लाइनों के नीचे धान मिंझाई का कार्य नहीं किया जाए। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक ग्राम में इसकी मुनादी कराई जाये। अधिकारियों द्वारा बनाये गए विभिन्न वितरण केन्द्रों के वाट्सअप ग्रुप में भी इस तथ्य को शेयर किया गया है। जिससे अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों तक भी यह संदेश पहुँचाया जा सकें तथा उनका अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जा सके।

ग्रीन एनर्जी के लिए एनटीपीसी व छत्तीसगढ़ राज्य बिजली उत्पादन कंपनी में करार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के डंगनिया, रायपुर स्थित मुख्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बिजली उत्पादन कंपनी तथा एनटीपीसी की सहायक कंपनी मेसर्स एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बीच एमओयू हस्ताक्षरित किया गया जिसके अनुसार ये दोनों कंपनियां मिलकर एक संयुक्त उपक्रम कंपनी बनाएंगी। संयुक्त उपक्रम कंपनी के माध्यम से राज्य में लगभग 2 गीगावॉट (2 हजार मेगावॉट) क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास का काम करेंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस करार को छत्तीसगढ़ में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत बताया। प्रदेश के ऊर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कहा कि हम नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से काम करते हुए एक नया इतिहास रचेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड तथा नेशनल थर्मल पॉवर कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मेसर्स एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक एसके कटियार तथा एनटीपीसी के रीजनल एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर पीके मिश्रा की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन में एनजीईएल की ओर से महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी) धीरेंद्र जोशी और सीएसपीजीसीएल की ओर से मुख्य अभियंता (कार्पोरेट प्लानिंग एण्ड बिजनेस डेवलेपमेंट) गिरीश गुप्ता द्वारा हस्ताक्षर किया गया। ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का संपादन किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन, राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा दायित्वों (आर.जी.ओ.) के पालन में सहायक सिद्ध होगा तथा जिसके द्वारा हरित ऊर्जा स्त्रोतों से ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस करार से राज्य में हरित ऊर्जा स्त्रोतों से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन होगा, जिससे कि राज्य की भावी विद्युत आवश्यकताओं के साथ ही राज्य के समग्र विकास और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने में सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के ईडी सीएल नेताम, एमआर बागड़े, संदीप मोदी, मुख्य अभियंतागण जेएस बोंडे, रजनीश जांगड़े, एमएस कंवर, रोहित डहरवाल, संजय शुक्ला, मनीष गुप्ता, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) उमेश कुमार मिश्र, विभागीय अभियंता अतनु मुखोपाध्याय, आशुतोष शुक्ला, नीरज वर्मा सहित अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद के आदर्शो पर तब तक चलों जब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लें - कमलेश्वरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमें हमेशा स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलना चाहिए और हमें यह तब तक चलना चाहिए जब तक हम अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेंगे। इसके साथ ही हमें अपने कार्यों में बदलाव लाकर समाज के लिए कार्य करना होगा। इस उद्देश्य को लेकर वे अगर चलेंगे तो एक न एक दिन वे जरुर कामयाब होंगे। उक्त बातें गुरुकुल महिला महाविद्यालय के द्वारा मॉडल गर्ल्स हॉस्टल अटारी में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल द्वारा 26 नवंबर से 2 दिसंबर 2024 तक सात दिवसीय विशेष शिविर

के उद्धघाटन अवसर पर जारवाय की पार्षद कमलेश्वरी वर्मा ने कहीं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्म संगठन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एनएसएस छात्रों को व्यक्तिगत रूप के साथ ही समूह के रूप में भी विकसित करन में हमेशा मदद करता है । एनएसएस गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यों के लिए स्वयंसेवा करने से छात्रों को आत्मविश्वास तो मिलता ही है साथ ही उनका नेतृत्व कौशल भी विकसित होता है। इसके साथ ही उन्हेंविभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न लोगों के बारे में जानने का मौका भी मिलता है।

शासकीय आदर्श महाविद्यालय अटारी के प्राचार्य डॉ अभय जोगेलकर ने स्वयं सेवको को शुभकामनायें देते हुए कहा कि आप जिस उद्देश्य को लेकर यहां आए हैं उससे जरुर पूरा करें और समाज के लोगों को इस बारे में जरुर बताएं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोक कलाकार डॉ पुरुषोत्तम चंद्राकर, व्यापारिक संघ टाटीबंध के अध्यक्ष आशीष शर्मा, पूर्व पार्षद मनीष जी, प्रकृति की ओर सोसायटी के अध्यक्ष मोहन वाल्यानी, महिला स्व सहायता के अध्यक्ष नवीन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ रात्रि लहरी के साथ स्वयं सेवक, शिक्षक, छात्राओं के अलावा आसपास के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अब सड़कों के बाधित ट्रैफिक से छुटकारा दिलाने मार्ग के किनारे खड़ी वाहनों और अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर की सड़कों पर ट्रैफिक बाधित करने वाले सड़क किनारे खड़े वाहनों एवं ठेलों पर अब कार्रवाई होगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन, नगर निगम और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई है। यह टीम सड़कों के किनारे खड़ी वाहनों और अतिक्रमण पर कार्रवाई करेगी। आज से शुरू हुए कार्रवाई में पुलिस ने दो ऑटो को जब्त किया है। वहीं नगर निगम की टीम ने 4 ठेलों को अंबेडकर चौक के पास से जब्त किया है। साथ ही अन्य वाहन चालकों को समझाइश भी दी गई। जिन-जिन स्थानों पर अवैध तरीके से पार्किंग होने पर

यातायात बाधित हो रहा है, उन स्थानों पर भी कार्रवाई की गई है।

सड़कों के किनारे वाहन खड़ी होने और अतिक्रमण होने की वजह से सड़कें सकरी हो रही है। इस वजह से सुबह और शाम के समय में शहर में यातायात बाधित हो रहा है। इस यातायात बाधित होने की वजह से जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए है। साथ ही जहां बड़े-बड़े बेसमेंट में पार्किंग पर अवैध तरीके से गोदाम बनाया गया है, उन पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है जैसे नयापारा चैक इत्यादि। साथ ही गोदाम में कचरा फैलाने पर भी कार्रवाई की जाएगी। जिन सड़कों से आगे बढ़ाकर होर्डिंग्स लगाई गई है, उसे भी जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। शहर के उन स्थानों भीड़-भाड़ हो वहां से अवैध ठेलों की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। सड़कों के किनारे खड़ी कंडम गाड़ियों की भी जब्ती की जाएगी। एसएसपी संतोष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सड़कों पर अवैध अतिक्रमण और यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। यह टीम प्रतिदिन यातायात बाधित होने वाले सड़कों पर पहुंचेगी और कार्रवाई करेगी। आज कार्रवाई के दौरान डीएसपी गुरजीत सिंह एवं नगर निगम की टीम उपस्थित रहे।

मां बनीं एक्ट्रेस, बेटी को दिया जन्म, डांस करते नजर आए पति

प्यार का पंचनामा फेम एक्ट्रेस सोनाली सहगल और उनके पति अशेष सजनानी के घर खुशियां आई हैं। कपल ने 27 नवंबर को अपने पहले बच्चे, एक बेटी का स्वागत किया। सोनाली और अशेष अपनी छोटी सी खुशी के आगमन से बहुत खुश हैं। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और अच्छा कर रहे हैं। यह उनके जीवन का सबसे खास दिन है और वे उन्हें मिले प्यार के लिए कृतज्ञ हैं।

साल 2023 में की थी शादी

आपको बता दें कि सोनाली सहगल और आशेष ने मुंबई के सांता क्रूज गुरुद्वारे में 7 जून, 2023 को शादी की थी। इस शादी में कार्तिक आर्यन, सनी सिंह, लव रंजन, शमा सिकंदर, मंदिरा बेदी और राय लक्ष्मी शामिल हुए थे। एक्ट्रेस अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर काफी एक्साइटेड रही थीं। उन्होंने अपनी पूरी जर्नी सोशल मीडिया के जरिए दिखाई थी।

इसी साल अगस्त में कपल ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेट की थी। सोनाली ने इंस्टाग्राम पर एक बहुत ही खूबसूरत पोस्ट किया था। दरअसल आशीष सजनानी ने खुशी से झूमते हुए अपनी एक वीडियो इंस्टा स्टोरी पर शेयर की है। इसमें वो अस्पताल के कपड़ों में मास्क पहनकर उछल-उछलकर डांस कर रहे हैं। वीडियो में उन्होंने कैप्शन लिखा- हमारी बेबी आ गई है। इसके बाद ये यूजर्स और फैंस उन्हें बधाई देने लगे।

बेबी बंप के साथ शेयर की थी तस्वीर

अभी एक दिन पहले ही सोनाली ने ब्लैक कलर के बॉडीकॉन में कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। एक्ट्रेस इससे पहले भी कई मौके पर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ चुकी हैं। उनका इंस्टा फीड इन तमाम तस्वीरों से भरा हुआ है। सोनाली सहगल ने साल 2006 में मिस इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाली कार्तिक आर्यन और सनी सिंह के साथ प्यार का पंचनामा में काम कर चुकी हैं। इसके बाद वो सोनू के टीटू की स्वीटी में भी नजर आईं। इसके बाद उन्होंने साल 2015 में आई वेडिंग पुलाव, प्यार का पंचनामा 2 (2015) और सेटर्स (2019) जैसी फिल्मों में काम किया।

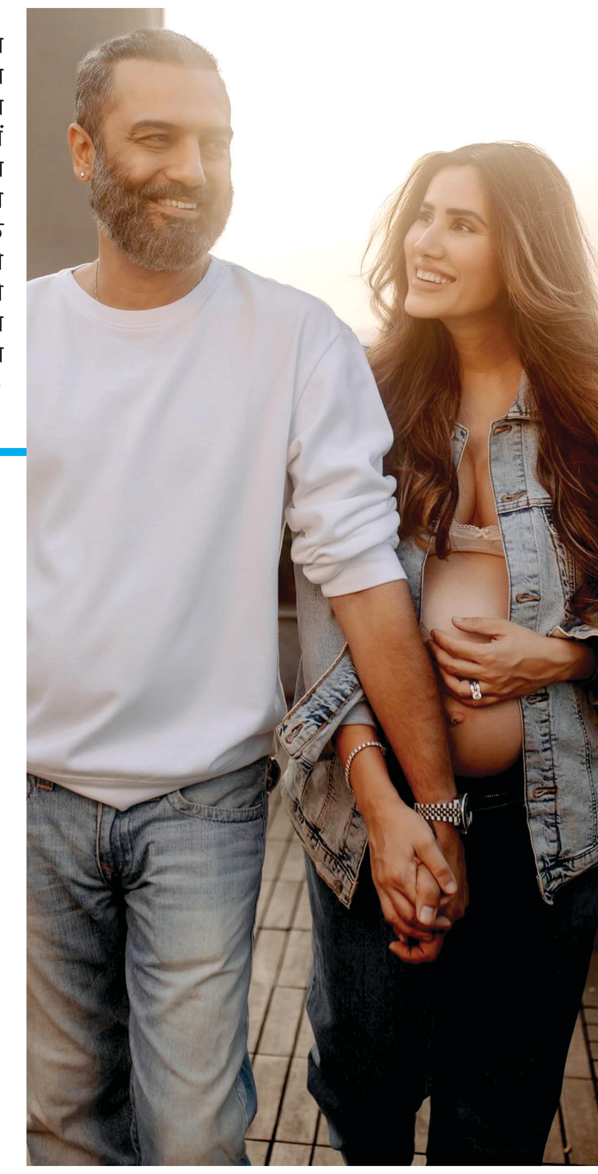

ईयरफोन या हेडफोन्स, किससे होता है ज्यादा नुकसान?

वक्त रहते बचाएं अपने कान

वक्त के साथ-साथ इंसान के लाइफस्टाइल में ढेरों बदलाव आएं हैं। बढते के टेक्नोलॉजी ने काम को आसान बना दिया है, लेकिन इसके कई नुकसान भी देखने को मिले हैं। आजकल ट्रैवलिंग में या कोई काम कर रहे हो तो गाना सुनने की अलग ही दीवानगी देखने को मिलती है। युवा घंटो-घंटो कान में इसे लगाकर रखते हैं ।हेडफोन्स या ईयरफोन का ज्यादा समय तक इस्तेमाल करने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

सुनने पर हो सकता है असर

हेडफोन्स या ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल आपके सुनने की क्षमता पर असर डालता है। जबकि हेडफोन कान से चिपके होते हैं इसमें से कोई भी हिस्सा काम अंदर नहीं पहुचंता है। इसका परिणाम यह है कि इसका नेगेटिव असर सुनने पर होता है ।रिपोर्ट के मुताबिक, ईयरफोन का ईयरपीस कान के अंदर डालने से गंदगी कान के अंदर और गहरे जा सकती है, जिससे सुनने में रुकावट आती है।

कम करें इस्तेमाल

अगर कोई इंसान इसका कभी-कमार इस्तेमाल करता है तब तो ठीक है। लेकिन अगर कोई लंबे समय तक मीटिंग्स, म्यूजिक सुनने या फिल्म देखने के लिए ज्यादा इयरफोन का इस्तेमाल करता है। तो उसे इस्तेमाल कम कर देना चाहिए। लगातार और लंबे समय तक ईयरफोन का इस्तेमाल जब आप हाय वॉल्यूम पर सुनते हैं तो ऐसे में सुनाई देने की क्षमता को घटा सकती है। कभी-कभी कान में दर्द होने लगते हैं। डॉक्टर भी फोन को कान में ज्यादा देर तक लगाकर बात करने से मना करते हैं। ऐसे में अपनी सेहत का ख्याल रखते हुए उन्हें काफी चीजों का ध्यान रखना होगा।

अवनीत कौर ने साड़ी पहन शेयर किया देसी लुक दिलकश अदाओं से इंटरनेट पर बरपाया कहर

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी हॉट तस्वीरें शेयर की हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

अवनीत कौर की इन लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने येलो और व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं अवनीत कौर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में बलखाती हुई कमर के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में बड़े इयररिंग्स, लाइट मेकअप और डार्क शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

तलाक की अफवाहों के बीच ऐश्वर्या राय के सरनेम से हटा 'बच्चन'

ऐश्वर्या राय बच्चन हाल ही में दुबई में ग्लोबल वूमन फोरम इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बात की। इवेंट के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर ऐश्वर्या द्वारा पैनलिस्टों की सराहना करते हुए एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें उन्होंने कई क्षेत्रों में महिलाओं की काम और प्रयासों की सराहना की। जब ऐश्वर्या स्टेज पर आईं, तो बैकग्राउंड में एक बड़ी स्क्रीन पर उनका नाम और प्रोफेशन ऐश्वर्या राय को इंटरनेशनल स्टार दिखाया गया। तलाक की अफवाहों के बीच सरनेम से बच्चन हटाने पर लोग हैरान हैं।

ऐश्वर्या राय के इंट्रोडक्शन से 'बच्चन' सरनेमको हटाने के कारण सोशल मीडिया पर एक बार फिर से तलाक की अटकलें लगने लगी। अब लोगों कहना है कि ऐश्वर्या संभावित तौर पर अपना वैवाहिक नाम छोड़ सकती हैं। हालांकि, जब न्यूज18 ने ऐश्वर्या का इंस्टाग्राम अकाउंट देखना देखा तो इसमें कुछ भी सच्चाई नजर नहीं आई।

ऐश्वर्या राय के वेरिफाईड अकाउंट पर अभी भी उनका नाम 'ऐश्वर्या राय बच्चन' ही लिखा है। इतना ही नहीं, उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन का शॉर्ट नेम एआरबी भी रखा हुआ है। दुबई इवेंट के वीडियो में स्पेस या प्रोफेशनल रिप्रेजेंटेशन के लिए उनके पहले नाम का इस्तेमाल किया गया है। ऐश्वर्या ने आधिकारिक तौर पर अपने वैवाहिक उपनाम को छोड़ने का कोई संकेत नहीं है। दुबई इवेंट में शामिल होने के बाद ऐश्वर्या राय बच्चन को गुरुवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। वह ऑल ब्लैक आउटफिट में थीं। उन्होंने पैपराजी को देख फैंस का अभिवादन किया और मुस्कुराते हुए फोटो और वीडियो के लिए पोज दिए।

रिश्ते में समझौता नहीं चाहतीं अनन्या पांडे, बोलीं-मैं चाहती हूं मेरा पार्टनर मेरी बात सुने

अभिनेत्री अनन्या पांडे एक पॉडकास्ट में अपनी कई निजी और मजेदार बातें साझा करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि वह रिश्तों में कोई समझौता नहीं चाहती हैं। पॉडकास्ट में 'ड्रीम गर्ल 2' अभिनेत्री ने बताया कि अब किसी रिश्ते में समझौता नहीं करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने रोमांस के बारे में भी अपने विचार रखे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री कथित तौर पर मार्च में अभिनेता आदित्य रॉय से अलग हुई हैं। पॉडकास्ट में होस्ट राज शमनी ने अभिनेत्री से पूछा कि क्या वह ऐसे रिश्ते में रही हैं, जहां उन्होंने खुद से समझौता किया हो?

अनन्या ने कहा, हम सभी के साथ ऐसा होता है, मैंने अपने आसपास ऐसा देखा है और मैं भी उस परिस्थिति में रही हूं। मुझे यकीन है कि मैंने खुद को बहुत बदला है, लेकिन इस हद तक नहीं बदला कि ज्यादा बुरा हो। मुझे अहसास हुआ है कि हां, मैं जो हूं, मैं वह नहीं रही। यह मेरे लिए अच्छी स्थिति नहीं थी।

होस्ट ने अभिनेत्री से पूछा कि उन्होंने खुद में क्या बदलाव किया है और वह जब पीछे मुड़कर देखती हैं तो उन्हें खुद में कितना बदलाव दिखता है? अभिनेत्री ने जवाब दिया कि उनकी मेरी पसंद और नापसंद में बदलाव हुआ है। उदाहरण के लिए, वह क्या खाती हैं, कहां जा सकती हैं, यह सब भी उनके पार्टनर की मर्जी से तय होता है। उन्होंने कहा, मैं खाना भी उसी की पसंद का खाऊंगी और मैं बाहर नहीं जाऊंगी क्योंकि मेरे साथी को घर पर रहना पसंद है।

लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करूंगी। अब मैं चाहूंगी कि मेरा पार्टनर मुझे वैसा ही स्वीकार करे जैसी मैं हूं। मैं अपने पार्टनर को वैसा ही स्वीकार करूंगी जैसा कि वह है। रोमांस पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा, रोमांस के बारे में मेरी सोच यह है कि वह (मेरा साथी) जो मेरी बात सुनता है।, छोटी-छोटी बातों को याद रखता है और मेरी बात सुनता है। मैं हर समय समाधान नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी बात सुने। अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर को लेकर अफवाहों का बाजार काफी गर्म रहा है। अनन्या और आदित्य के रिश्ते में होने की चर्चा सोशल मीडिया पर तब शुरू हुई जब दोनों को कृति सेनन के यहां आयोजित दीपावली पार्टी में एक साथ देखा गया था। इसके बाद दोनों अक्सर साथ में नजर आते थे।

यही नहीं, दोनों के रिश्ते को लेकर फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' में संकेत भी दिया था। इस शो में अनन्या के साथ सारा अली खान भी थीं। करण जौहर ने अपने टॉक शो में सारा अली से पूछा था कि अनन्या में ऐसी कौन सी चीज है जो उनके पास नहीं है। इस पर अभिनेत्री ने कहा, नाइट मैनेजर। यह इसी नाम से आदित्य रॉय कपूर स्टारर शो की ओर इशारा था। इस बात अनन्या ने शरमाते हुए कहा था, मैं बिल्कुल अनन्या कोय कपूर जैसा महसूस कर रही हूं।

शादी के लिए महिलाएं इस तरह से चुनें फुटवियर, मिलेगा आरामदायक व स्टाइलिश लुक

शादी का दिन हर महिला के जीवन का सबसे खास दिन होता है। इस दिन की तैयारी में कपड़े, गहने और मेकअप के साथ-साथ फुटवियर की भी अहम भूमिका होती है। सही फुटवियर न केवल आपके लुक को पूरा करता है, बल्कि आपको आराम भी देता है ।इसलिए यहां हम कुछ ऐसे टिप्स दे रहे हैं, जो आपकी शादी के दिन को और भी खास बना सकते हैं।

आरामदायक चप्पलें चुनें

शादी के दौरान आपको लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है और कई बार चलना भी पड़ता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप ऐसी चप्पलें चुनें जो आरामदायक हों। हील्स पहनने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वे बहुत ऊंची न हों और उनमें कुशनिंग हो ताकि आपके पैर दर्द न करें ।फ्लैट सैंडल या ब्लॉक हील्स एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ये पहनने में अच्छे लगते हैं।

मौसम को ध्यान में रखें

फुटवियर चुनते समय मौसम का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपकी शादी गर्मियों में हो रही है तो हल्के और सांस लेने वाले मटेरियल की चप्पलें चुनें ताकि आपके पैर पसीने से बच सकें ।वहीं सर्दियों में बंद जूते या मोजड़ी पहनना बेहतर रहेगा ताकि आपके पैर ठंड से बचे रहें। बरसात के मौसम में फिसलन से बचने के लिए रबर सोल वाली चप्पलें चुनें। इस तरह आप हर मौसम में आरामदायक और सुरक्षित महसूस करेंगी।

पारंपरिक डिजाइन पर ध्यान दें

भारतीय शादियों में पारंपरिक डिज़ाइन की चप्पलों का चलन हमेशा रहता है। जूतियां, मोजड़ी या कढ़ाई वाली सैंडल्स आपके लुक को और भी खूबसूरत बना सकती हैं ।ये न केवल सुंदर दिखती हैं बल्कि पारंपरिक पोशाकों जैसे लहंगा-चोली या साड़ी के साथ अच्छी तरह मेल खाती हैं। इसके अलावा ये चप्पलें आरामदायक भी होती हैं, जिससे आप पूरे दिन बिना किसी परेशानी के शादी के समारोह का आनंद ले सकती हैं।

रंगों का सही चयन करें

फुटवियर का रंग आपकी पोशाक से मेल खाना चाहिए ताकि आपका पूरा लुक एकसार लगे। अगर आपकी पोशाक लाल रंग की है तो गोल्डन या सिल्वर रंग की चप्पलें अच्छी लग सकती हैं ।वहीं अगर आप किसी हल्के रंग की पोशाक पहन रही हैं तो न्यूड टोन या पेस्टल शेड्स वाली चप्पलों को प्राथमिकता दें। इसके अलावा अगर आपकी पोशाक में कई रंग हैं तो एक न्यूट्रल रंग की चप्पलें चुनें जो सभी रंगों के साथ मेल खाएं।

अतिरिक्त जोड़-तोड़ से बचें

अक्सर महिलाएं अपनी शादी के दिन ज्यादा चमक-धमक वाली चीजों को पसंद करती हैं, लेकिन फुटवियर में ज्यादा सजावट होने से वे असुविधाजनक हो सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि साधारण लेकिन स्टाइलिश डिजाइन वाली चप्पलों को चुने, जिनमें ज्यादा मोती, सितारे आदि न लगे हों। इन टिप्स को ध्यान में रखते हुए आप अपनी शादी के दिन ना सिर्फ खूबसूरत दिख सकती हैं बल्कि पूरे समय आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

हर घर जल से समृद्ध हुआ पचराही

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी बहुल दूरस्थ गांव में हर घर पहुंच रहा नल से पेयजल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कई बरस बाद पचराही गांव एक बार फिर सुर्खियों में है। सालों पहले यहां पुरातात्विक खुदाई में मिले 16वीं शताब्दी के सिक्कों और औजारों की वजह से पूरे देश में यह गांव चर्चा में आया था। पचराही इस बार भी एक अच्छे कारण से चर्चा में है। पचराही के रहवासियों, खासकर महिलाओं के चेहरे खुशी से दमक रहे हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासियों की बहुलता वाले इस दूरस्थ गांव में अब हर घर में नल से पेयजल पहुंच रहा है। पेयजल और परिवार की अन्य जरूरतों के लिए पानी इकट्ठा करने रोज जूझने वाली महिलाएं अब सुकून से हैं। घर के आंगन तक पहुंचे नल से पूरे परिवार की जरूरतों के लिए भरपूर पानी आ रहा है। इसने गांव की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। हर घर स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल ने गांववालों को गंदे पानी से होने वाली सेहत के खतरों से भी चिंतामुक्त कर दिया है।

कबीरधाम जिला मुख्यालय कवर्धा से 35 किलोमीटर दूर बोड़ला विकासखंड के पचराही में जल जीवन मिशन ने खुशियों की नई इबारत लिखी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 68 लाख रुपए की लागत से यहां जल आपूर्ति की व्यवस्था तैयार की है, जिससे गांव के 72 परिवारों को उनके घर पर ही पेयजल मिल रहा है। अब यहां की महिलाओं को पानी के लिए सवेरे से ही नहीं जूझना पड़ता। पहले महिलाओं को रोज दूर-दराज के जल स्रोतों से पानी लाने कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी। पर अब घर पर ही स्वच्छ जल की उपलब्धता ने उनके जीवन को सरल और आरामदायक बना दिया है। घर पर ही पानी मिलने से इसके लिए रोजाना लगने वाले समय और श्रम की बचत हो रही है। इससे उन्हें अपनी आजीविका, बच्चों की परवरिश और घर के दूसरे कामों के लिए ज्यादा समय मिल रहा है।

जल जीवन मिशन से पचराही के सभी लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल रहा है। नल जल योजना के पहले यहां के लोग पेयजल के लिए हैंडपंप तथा नदी-नालों पर आश्रित थे। यहां भू-जल में लौह तत्व की अधिकता के कारण पेयजल की समस्या बनी रहती थी। पर अब नल जल योजना ने पेयजल संबंधी सभी समस्याओं का निराकरण कर दिया है। अब हर घर में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। जंगलों के बीच बसे करीब 300 की आबादी वाले ग्राम पंचायत बोदा-3 के आश्रित गांव पचराही में सोलर पंप के माध्यम से पेयजल योजना संचालित की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत कबीरधाम जिले के 85 गांवों में सभी घरों में नल से पेयजल की आपूर्ति हो रही है। मिशन के तहत जिले के कुल 958 गांवों में हर घर नल से जल पहुंचाया जाएगा। इनमें से 205 गांवों में काम लगभग पूर्ण कर लिया गया है। शेष गांवों में भी काम तेजी से जारी है जिन्हें मार्च-2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों की छोटी एवं बिरल बसाहटों तक सोलर पंपों के माध्यम से जलापूर्ति के काम प्राथमिकता से पूरे किए जा रहे हैं।

भू-जल स्रोतों में समस्या वाले कबीरधाम जिले के दो क्षेत्रों में मल्टी-विलेज योजना के माध्यम से नदी का पानी पहुंचाने का काम भी प्रगति पर है। रेंगाखार मल्टी-विलेज योजना से भू-जल में आयरन की अधिकता वाले 15 गांवों में पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए बहेराखार जलाशय का पानी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए शुद्ध कर आपूर्ति के लिए गांवों में बनी टंकियों में पहुंचाया जाएगा। वहीं धमकी बमनी मल्टी-विलेज योजना से भू-जल स्तर के ज्यादा नीचे चले जाने से प्रभावित 16 गांवों में सरोधा जलाशय का पानी पेयजल के लिए पहुंचाया जाएगा।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन से किसानों को हो रही सहूलियत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर । धान छत्तीसगढ़ की प्रमुख फसल है, जिससे अन्नदाता किसान स्वयं के भरण-पोषण सहित अन्य जरूरतों को पूरा करते हैं। किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य दिलाने के लिए सरकार हर साल न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है। जो किसानों को उनकी लागत से अधिक लाभ देने के उद्देश्य से तय किया जाता है। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद ने किसानों को न केवल आर्थिक स्थिरता प्रदान की है, बल्कि उनकी आय में भी सुधार किया है। राज्य सरकार की समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन नीति से किसानों को वाजिब दाम के साथ ही उन्नत खेती-किसानी के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। जगदलपुर ब्लॉक के गरावंड खुर्द निवासी किसान महादेव बघेल और तुरेनार निवासी कृषक मनदेव अपनी खरीफधान को बेचकर जहां खरीफ फसल ऋण को अदा करेंगे। वहीं घर की जरूरी कार्यों के लिए उपयोग करने की बात कही। उक्त दोनों कृषकों ने रबी फसल सीजन में मक्का और साग-सब्जी की खेती कर आय संवृद्धि करने का संकल्प दुहराया। इन दोनों किसानों ने सरकार की धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए शीघ्र भुगतान के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। समर्थन मूल्य पर मिलने वाली राशि से किसान अपने कृषि ऋण को समय पर अदा करते हैं, जिससे उन्हें ब्याज के बोझ से राहत मिलती है। इस बारे में जगदलपुर विकासखण्ड के गरावंड खुर्द निवासी किसान महादेव बघेल बताते हैं कि लगभग तीन एकड़ कृषि भूमि में धान की उन्नत खेती से अच्छी पैदावार मिली है। अभी 56 क्विंटल धान बेचकर खरीफ फसल ऋण को चुकाने के साथ ही घरेलू कार्य के लिए उपयोग करेंगे। वहीं रबी फसल के लिए फिर फसल ऋण लेकर मक्का और साग-सब्जी की पैदावार लेंगे।

गरावंड कला धान खरीदी केन्द्र में धान विक्रय करने आए तुरेनार के किसान मनदेव बघेल ने कहा कि 54 क्विंटल धान बेच रहे हैं। इस राशि से फसल ऋण अदा करने सहित छोटी बेटी प्रतीक्षा के कोचिंग क्लास का फीस जमा करेंगे और कुछ पैसे घर की जरूरत में खर्च करेंगे। उन्होंने बताया कि नलकूप की मदद से रबी फसल सीजन में मक्का और साग-सब्जी की पैदावार लेंगे।

न्योता भोज कार्यक्रम: पोषण और शिक्षा का आदर्श संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद । नेवता भोज कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता से समरसता की ओर एक बेहतर और अनूठा पहल है। इससे समाज और शिक्षा का तालमेल बेहतर होते दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप 16 फरवरी से शुरू हुई इस योजना से पालक से दानदाताओं और सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा स्कूलों में जाकर अपने बच्चों के साथ स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चों के संग खुशियां बांट रहे हैं। महासमुंद जिले में बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए एक नई पहल ने न केवल उनके पोषण स्तर को सुधारा है, बल्कि शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को भी बढ़ाया है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत चलाए जा रहे न्योता भोजन कार्यक्रम ने बच्चों और समुदाय के बीच एक गहरी सकारात्मक छाप छोड़ी है।

न्योता भोज कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास को गति मिले। इस कार्यक्रम में दानदाताओं, सामाजिक संगठनों, और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर स्कूलों में विशेष भोजनों का आयोजन किया, जिसमें बच्चों को न केवल पोषक आहार मिला, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर भी जागरूक किया गया।

महासमुंद जिले में 507 बार आयोजित इस कार्यक्रम से कुल 29,251 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। बागबाहरा विकासखंड में 238 आयोजनों में 13,484 बच्चों को पोषक आहार प्रदान किया। सरायपाली में 70 आयोजनों के माध्यम से 4,406 छात्रों ने लाभ उठाया। इसी तरह, पिथौरा, बसना, और महासमुंद विकासखंडों में क्रमशः 45, 60, और 94 आयोजन सफलतापूर्वक किए गए।

न्योता भोज की सफलता का सबसे बड़ा कारण सामुदायिक सहभागिता रही। इसमें दानदाताओं, जनप्रतिनिधियों, और समाज के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पहल ने यह दिखाया कि जब समाज और प्रशासन एक साथ काम करते हैं, तो बड़े बदलाव संभव हैं। इसे सामाजिक समरसता की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा रहा है।

बाल विवाह रोकथाम के प्रयास ने सरपंच को दिलाई राष्ट्रीय पहचान

बाल विवाह रोकथाम में मिसाल बने दुर्गापुर पंचायत के सरपंच, राष्ट्रीय मंच पर साझा किया अनुभव'

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। ग्राम पंचायत दुर्गापुर, जनपद प्रेमनगर के सरपंच लाल सिंह श्यामग्राम पंचायत दुर्गापुर, जनपद प्रेमनगर के सरपंच लाल सिंह श्याम ने अपने नवाचार और समाज सुधार के प्रयासों से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायत दुर्गापुर को बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने का अनूठा प्रयास किया गया, जिसकी गूंज अब पूरे देश में सुनाई दे रही है।

27 नवंबर 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने राष्ट्रीय अभियान बाल विवाह मुक्त भारत का शुभारंभ किया। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में देशभर से बाल विवाह रोकथाम के लिए किए गए नवाचारों की कहानियां साझा की गईं। छत्तीसगढ़ राज्य से सूरजपुर जिले के दुर्गापुर पंचायत के सरपंच लाल सिंह श्याम के नवाचार को इस कार्यक्रम में विशेष रूप से चयनित किया गया। पूरे देश में मात्र एक जनप्रतिनिधि को अपना अनुभव शेयर करने का मौका मिला जो एक गर्व का विषय है। लाल सिंह श्याम ने अपने पंचायत में बाल विवाह को रोकने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने गाँव के प्रमुख लोगों के साथ नियमित बैठक आयोजित कर विवाह योग्य बालक-बालिकाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया। विवाह के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जाँच की गई और यदि किसी बालक की उम्र 21 वर्ष से कम या बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम पाई जाती थी, तो उनके परिवारों को समझाकर बाल विवाह रोकने का प्रयास किया गया। साथ ही, सही उम्र में विवाह के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पंचायत की ओर से 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की बालिका की शादी पर 2,000 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

वर्ष 2023 और 2024 में अब तक 14 बालिकाओं को यह प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। इन प्रयासों ने पंचायत में सही उम्र में विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाई है और पूरे दुर्गापुर पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

लाल सिंह श्याम ने अपने इस नवाचार को सूरजपुर ज़िला एनआईसी कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रस्तुत किया। वह पूरे देश से शामिल जनप्रतिनिधियों में एकमात्र ऐसे प्रतिनिधि थे जिन्होंने अपने प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल की। उनके इस कार्य की सराहना न केवल जिले में बल्कि पूरे देश में हो रही है। सूरजपुर जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन नेलाल सिंह श्याम की प्रशंसा करते हुए अन्य पंचायतों को भी इस तरह के नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। ज़िला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू और ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। एक छोटे से गाँव की यह पहल न केवल पूरे जिले बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक बन गई है। दुर्गापुर पंचायत के सरपंच लाल सिंह श्याम ने यह साबित कर दिया कि सही सोच और प्रयास से बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव है। उनके इस प्रयास से दुर्गापुर पंचायत बाल विवाह मुक्त बनकर एक मिसाल बन गई है।

संगवारी बाईक एंबुलेंसः वनांचलों में स्वास्थ्य सुविधा का नया दौर

बैगा, बिरहोर विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए बनी वरदान, पहुंचविहीन इलाकों में सरपट पहुंच रही बाईक एम्बुलेंस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर जिले के कोटा के सुदूर वनांचलों में बसे गांवों में वो दिन लद गए जब अस्पताल तक न पहुँच पाने की वजह से किसी को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया न हो पाए। अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को त्वरित स्वास्थ्य सेवा मिल पा रही है।

सुदूर एवं पहुंचविहीन गांवों में जहां एंबुलेंस तक का पहुंच पाना संभव नहीं है वहां के जंगल से लगे गांवों की सड़कों पर अब बाईक एंबुलेंस सरपट दौड़ रही है। वनांचल के गांवों में रहने वाले बैगा, बिरहोर आदिवासियों के लिए बाईक एंबुलेंस वरदान साबित हो रही है। चार बाईक एम्बुलेंस के जरिए 4089 मरीजों को अब तक अस्पताल ले जाया गया है।

मौसम कोई भी हो चाहे गर्मी, बरसात या सर्दी सभी मौसम में बाईक एम्बुलेंस की सुविधा चौबीसों घंटे आदिवासियों को मिल रही है। कोटा ब्लॉक के एक बड़े हिस्से में विषम भौगोलिक परिस्थिति के चलते सड़क मार्ग से पहुच पाना संभव नहीं होता है। ग्रामीणों को आपातकाल स्थिति में घर से अस्पताल आने-जाने के लिए बाईक एम्बुलेंस निःशुल्क परिवहन का एक अच्छा माध्यम बन गया है। संगवारी एक्सप्रेस बाईक में बनाई गई एक मिनी एम्बुलेंस की तरह है, जिसमें एक मरीज को बिना असुविधा के अस्पताल तक पहुचाँया जा सकता है। यह बिल्कुल निःशुल्क सुविधा है। कोटा ब्लॉक के सुदूर वनांचलों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं सहित अन्य लोगों के लिए बाईक एम्बुलेंस संजीवनी साबित हो रही है। विकासखंड कोटा में बाईक एम्बुलेंस की सुविधा मार्च महीने से शुरू होने से अब तक 4089 मरीजों को इसका सीधा लाभ मिला है। इसमें सभी वर्ग के मरीज शामिल है। शिवतराई पीएचसी में 1108 कुरदर में 850, केंदा 1310, आमागोहन 821 मरीजों को बाईक एम्बुलेंस की सुविधा मिली है।

बाईक एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, बच्चों के टीकाकरण एवं मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए भी उपयोग में लाया जा रहा है। बाईक एंबुलेंस के जरिये वनांचल क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए केन्द्र तक लाया जाता है और शिशुवती माताओं को प्रसव के बाद सुरक्षित घर भी पहुचाँया जाता है। ग्रामीण इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए कहते है की जहां वे पहले इलाज के लिए कई मीलों दूर पैदल चल कर अनेक कठिनाईयों का सामना कर अस्पताल पहुंचते थे, वहीं आज बाईक एंबुलेंस की सुविधा मिलने से अब कठिनाईयां उनके आड़े नहीं आ पाती है और मरीजों को बिना देरी के तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मंजगवा की श्रीमती मनीषा को बाईक एम्बुलेंस के जरिए प्रसव के लिए केंदा अस्पताल लाया गया था, वे कहती हैं कि इस सुविधा के चलते ही मैं और मेरा बच्चा भी पूरी तरह स्वस्थ है।

छतौना की 35 वर्षीय श्रीमती मंदाकनी को भी बाईक एम्बुलेंस के जरिए केंदा अस्पताल लाया गया था, उन्होंने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा की यह सुविधा आदिवासियों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है।

सिंचाई का मिला सही जरिया तो किसान देवनाथ के मन में भी जगी कुछ बड़ा करने की ललक

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर । मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले के कई गांवों में ग्रामीणों की जिंदगी बदल रही है। ऐसी ही एक कहानी जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत झरगवां के किसान देवनाथ की है। देवनाथ के पास 3.86 एकड़ की भूमि तो है, परन्तु सिंचाई सुविधा नहीं होने के कारण सिर्फ बारिश के मौसम में ही धान की खेती कर पाते थे, जिससे वो अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। पानी की कमी के कारण खेत ज्यादातर समय सूखे रहते थे, जो आर्थिक उन्नति में बाधा बन गया था। उन्होंने आगे बढ़ने की चाह के साथ निजी भूमि पर डबरी निर्माण के बारे में सोचा। देवनाथ बताते हैं कि उनका परिवार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में पंजीकृत परिवार है, उन्हें योजना के तहत डबरी निर्माण के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद वर्ष 2023-24 में डबरी निर्माण हेतु 2.99 लाख रुपए की स्वीकृति मिली। डबरी बन जाने के बाद देवनाथ को सिंचाई के माध्यम से खेती-किसानी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पा रहा है। वहीं अब वे इसके अलावा मछली पालन एवं सब्जी-बाड़ी का काम भी कर रहे है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। अब वे उन्नत किसान बनकर उभरे हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा 30 × 30 की साईज की डबरी का निर्माण कराया गया, जिसमें वर्तमान में 06 फीट पानी भरा हुआ है। खेत की मेड़ पर अरहर की फसल एवं लौकी का उत्पादन किया जा रहा है, इस वर्ष धान का उत्पादन भी विगत वर्ष की तुलना में ज्यादा हुआ है। देवनाथ ने अपनी डबरी में इस बार 26 किलो मछली के बीज डाले है जिनकी वर्तमान ग्रोथ अच्छी हो रही है, डबरी निर्माण से उनकी खेतों की नमी भी बढ़ गई, उन्होंने बताया कि वह इस बार अपने खेतों में गेहूं और साग सब्जी का उत्पादन करेगें। उन्हें अपने परिवार की अजीविका चलाने में अब कोई परेशानी नही हो रही है।

डबरी निर्माण कार्य से कुल 1111 मानव दिवस रोजगार का भी सृजन हुआ। देवनाथ ने शासन को धन्यवाद देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। मनरेगा के अंतर्गत पंचायत स्तर पर डबरी निर्माण, कुंआ निर्माण जैसे कई कार्य किये जा रहे हैं। इन कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ ही उनके जीवन स्तर में काफी सुधार देखने को मिल रहा है और उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है।

कृषक शिवचरण ने साझा किए धान खरीदी केंद्र के अनुभव, धान की तौल ईमानदारी से हुई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। शिवचरण साहू, ग्राम सिंघोरी, बेमेतरा के किसान हैं। इस वर्ष उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान बेचने का अनुभव साझा किया। उनके अनुसार, उपार्जन केंद्र पर व्यवस्था सुचारू थी। पंजीकरण से लेकर तौल प्रक्रिया तक, सब कुछ सरल और पारदर्शी रहा। उन्होंने कहा कि धान की तौल ईमानदारी से हुई और उनके धान की गुणवत्ता का सही मूल्यांकन किया गया।

शिवचरण ने बताया कि ऑनलाइन भुगतान प्रणाली ने उन्हें राहत दी है। धान बेचने के कुछ ही दिनों में उनके बैंक खाते में राशि जमा हो गई। उन्होंने इसे किसानों के लिए सरकार का बड़ा कदम बताया।'

शिवचरण का कहना है कि उपार्जन केंद्र पर कर्मचारियों का व्यवहार सहयोगपूर्ण था और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। इस सकारात्मक अनुभव ने शिवचरण को आत्मनिर्भर और सशक्त महसूस कराया। उन्होंने अन्य किसानों को भी समर्थन मूल्य पर धान बेचने की सलाह दी और इस पहल के लिए सरकार को धन्यवाद दिया।

बता दें कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 हेतु समर्थन मूल्य पर धान बेमेतरा जिले में वर्तमान में 129 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 27 नवंबर तक 27264 किसानों से 146030.48 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। यानी की 336.15 करोड़ रुपये की धान खरीदी हो चुकी है। वही 15225 कृषक, राशि 185.04 करोड़ का ऑनलाइन भुगतान हो गया है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

SSP संतोष सिंह ने नाइट पेट्रोलिंग का लिया जायजा, लापरवाही करने वालों पर की कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में SSP रायपुर संतोष सिंह ने नाइट पेट्रोलिंग का औचक निरीक्षण किया। नाइट पेट्रोलिंग को चेक करने के साथ ही थाने के लॉकअप का जायजा लिया। चेकिंग के दौरान लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की गई द्य पुलिस की यह चेकिंग शहर में देर रात तक जारी रही। वहीं SSP ने थाने के नाईट ऑफिसर को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए द्य

दरअसल, SSP ने थाना खमतराई, उरला और नाईट चेकिंग पॉइंटो का निरीक्षण किया। साथ ही शहर के मरीन ड्राइव, जय स्तम्भ चौक, एनआईटी के सामने और अन्य चेक पॉइंट का जायजा लिया। चेकिंग के दौरान ड्रंकन ड्राइविंग पर गाड़ियों की जब्ती और दर्जनों संदिग्ध लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। वहीं इस दौरान कुछ लोगों के पास से चाकू भी बरामद किए गए। जिन पर आर्म्स एक्ट किया गया। पुलिस की यह चेकिंग देर रात तक चलती रही।

जंगल में सड़ी-गली हालत में मिली हथनी की लाश

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के दरहोरा जंगल में सड़ी- गली हालत में लाश

मिली है। पशु चिकित्सक के मुताबिक प्राथमिक तौर पर यह 40 साल की मादा हथनी थी और उन्होंने बीमारी से मौत की आशंका जताई है। वन विभाग शव को दफना कर जांच में जुट गई है।

शव लगभग दस दिन पुराना होने का अनुमान जताया गया है। फिलहाल वन अमला हाथी की पोस्टमार्टम के बाद शव को दफ्ना कर विवेचना में जुटी है। दस दिनों तक हथनी के मौत की जानकारी वन अमले को नहीं लगने से वन विभाग के अधिकारियों की हाथियो पर निगरानी के दावों पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। डाक्टरों ने बताया कि, हथनी बिमार थी, अब ऐसे में सवाल उठता है कि, आखिर वन विभाग किस तरह की मानिटरिंग कर रहा था कि, एक हाथी जो बीते कई दिनों से बिमार थी।

जांच कर करेंगे कार्रवाई- डीएफओ

उसकी जानकारी वन विभाग को नहीं लगी। ऐसे में निचले स्तर या रेंज स्तर के कर्मचारियों की लापरवाही थी यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा। इस मामले को लेकर वनमण्डलाधिकारी पंकज कुमार कमल ने कहा कि, हथनी की मानिटरिंग की जा रही थी, लेकिन अगर कहीं चुक हुई है तो उस पर कार्यवाही की जायेगी। बहरहाल हथनी की मौत तो हों चुकी है।

निगम आयुक्त ने नशे के खिलाफ चलाया अभियान

100 से अधिक स्कूलों के आस-पास की गई जांच, 2 से 3 लाख रुपये वसूला जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

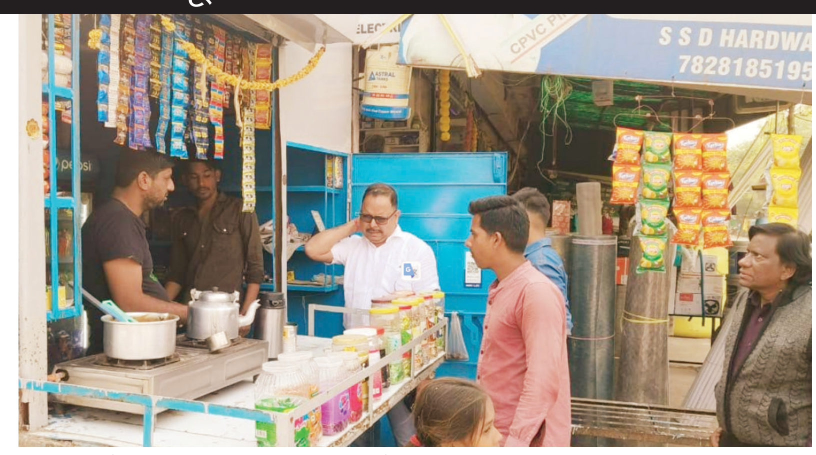

रायपुर। नगर निगम रायपुर को प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के निर्देशानुसार जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन 9 के क्षेत्र के तहत फुण्डहर शासकीय स्कूल के समीप प्रत्यक्ष निरीक्षण उप अभियंता नगर निवेश अतुल बंसल एवं अबरार खान द्वारा किया गया। प्राप्त जनशिकायत स्थल पर सही मिली, स्थल पर जेसीबी मशीन एवं श्रमिकों की सहायता से शासकीय स्कूल के समीप के सम्बंधित 3 अवैध ठेलों को हटाकर प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

दुकानों से किया 2 कार्टून सिगरेट, 5 बोरी गुटखा व गुड़ाखू जब्त

जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देशानुसार अभियान चलाकर नगर निगम जोन 10 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के नेतृत्व, कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, उप अभियंता रविप्रभात साहू एवं सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में जोन 10 के तहत अमलीडीह मुख्य मार्ग में स्कूल के समीप की दुकानों 9 दुकानों, पान ठेलों का प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने प्रत्यक्ष अवलोकन किया। स्थल पर प्राप्त जनशिकायत सही मिली. जोन कमिश्नर के निर्देश पर विभिन्न दुकानों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान दुकानदारों से लगभग 2 कार्टून सिगरेट, लगभग 5 बोरी गुटखा, लगभग 1 बॉक्स गुड़ाखू तत्काल जब्त करने की कार्यवाही सम्बंधित दुकानदारों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए की गयी एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

वोडाफोन आइडिया कंपनी पर 50 हजार रूपये का जुर्माना लगाया

वोडाफोन आइडिया कम्पनी विगत दिनों राजेन्द्र नगर में रायपुर नगर पालिक निगम की मुख्य जल वाहिनी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था, जिसके चलते जलप्रदाय व्यवस्था प्रभावित हुई एवं बड़ी मात्रा में पेयजल मुख्य पाईप लाईन क्षतिग्रस्त होने पर बह गया था। इसे तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा दिए गए आदेशानुसार एवं जोन 10 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा द्वारा दिए गए। निर्देशानुसार जोन 10 उप अभियंता जल सुरेन्द्र श्रीवास की उपस्थिति में सम्बंधित क्षेत्र राजेन्द्र नगर में वोडाफोन आइडिया कम्पनी का केबल जब्त कर लिया गया एवं कंपनी प्रबंधक को जोन कमिश्नर ने तत्काल नोटिस देकर 50 हजार रुपये का क्षतिपूर्ति जुर्माना किया। नोटिस मिलते ही वोडाफोन आइडिया कंपनी ने तत्काल 50 हजार रुपये का क्षतिपूर्ति जुर्माना अदा कर दिया।

होटल सुखसागर पर लगाया 15 हजार का जुर्माना

नगर पालिक निगम रायपुर में प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उपायुक्त रमाकांत साहू, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देशानुसार निगम जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र चंद्राकर ने निगम जोन 4 क्षेत्र के तहत फूल चौक के समीप जीई मार्ग में होटल सुखसागर की स्वच्छता व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया।

इस दौरान गंदगी सहित सफाई का अभाव पाया गया। प्राप्त जनशिकायत सही पाए जाने पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी एवं जोन 4 जोन कमिश्नर के निर्देश पर स्थल पर जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा होटल सुखसागर के संचालक पर 15000 रुपये जुर्माना भविष्य के लिये चेतावनी देते हुए किया गया एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

हटाए 50 से ज्यादा ठेले और गुमटी

राजधानी शहर रायपुर के मार्गो को जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम यातायात कायम करने मार्गो को कब्जा मुक्त करने अभियान निरंतर जारी है। लगातार दूसरे दिन प्रभावी तरीके से अभियान राजधानी शहर के जयस्तंभ चौक से जीई मार्ग में आमापारा चैक तक मुख्य मार्ग के दोनो ओर चलाकर लगभग 50 से अधिक ठेला गुमटियों को हटाने की कार्यवाही अभियान पूर्वक नगर निगम के नगर निवेशक आभास मिश्रा, जोन 2 कमिश्नर डॉ. आर.के. डोंगरे, जोन 4 कमिश्नर अरूण ध्रुव सहित जोन 2 जोन 4 नगर निवेश विभाग एवं निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता टीम के संबंधित नगर निवेश अधिकारियों कर्मचारियों एवं पुलिस प्रशासन बल की उपस्थिति में की गई।

अभियान के दौरान आरडीए काम्पलेक्स फूल चैक में निर्मित लगभग 12 अवैध पक्की गुमटियों को नियमानुसार नोटिस देने की कार्यवाही उपरांत थ्रीडी व श्रमिकों की सहायता से तोडने एवं यातायात जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम बनाने की प्रभावी कार्यवाही की गई। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम प्रशासन रायपुर द्वारा राजधानी शहर निगम क्षेत्र के मार्गो में अभियान नागरिको को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने एवं मार्गो को कब्जा मुक्त करने निरंतर जारी रहेगा। इस बाबत दिन की दोनो पॉलियों में मार्गो में कब्जा मुक्त करने का अभियान जारी रहेगा।

चिकन बनाने से मना करने पर जल्लाद बना पति जलती लकड़ी से पीट-पीटकर ले ली पत्नी की जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हत्या का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले के खड़गवां में पत्नी ने चिकन बनाने से मना किया तो पत्नी आगबबूला हो गया और जलती लकड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के गांव डुबी बड़कापारा निवासी भगवान दास सांडिल्य ने चौकी खड़गवां में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि बुधवार शाम को उनके दामाद ने उनकी बेटी पूनम टेकाम को मुर्गा लाकर दिया। इसके बाद पत्नी पूनम ने मुर्गा बनाने से मना कर दिया। इसे लेकर दोनों के बीच जमकर बहसबाजी हुई। विवाद अधिक होने पर पति हीरालाल उर्फ भेंटल सिंह चूल्हे से जलती लकड़ी निकालकर पूनम को पीटने लगा। इस दौरान पूनम की मौके पर ही मौत हो गई। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामले की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने हत्या के आरोपी को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी खड़गवां की पुलिस के द्वारा घेराबंदी कर आरोपी हीरालाल उर्फ भेंटल सिंह (48) निवासी जगन्नाथपुर खपरापारा चौकी खड़गवां को पकड़ा। पूछताछ पर उसने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

नगर निगम पार्षद ने की ठेकेदार की पिटाई

रायपुर। रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 9 के वार्ड क्रमांक 31 नेताजी सुभाषचंद्र बोस, खमारडीह पार्षद रोहित साहू ने अपने जान पहचान के ठेकेदार को काम दिलवाने के लिए दूसरे ठेकेदार के साथ हाथपाई करने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि पार्षद की पिटाई से ठेकेदार की नाक में चोट लगी है। मिली जानकारी के ठेकेदार ओम राठौड़ टेंडर का फॉर्म लेने आया था। वहीं पार्षद रोहित साहू ने अपने ठेकेदार पवन जैन को वार्ड का काम दिलाने का वादा कर लिया था। जिसके कारण पार्षद ने दूसरे ठेकेदार ओम राठौड़ के साथ पहले बहस की जो बाद में मार-पीट में बदल गई। इस घटना के बाद इसकी शिकायत लेकर दोनों ही पक्ष मोवा थाने पहुंचे तथा एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

जशपुर में धान का अवैध परिवहन पुलिस ने पकड़ा 100 बोरी धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ में धान का अवैध परिवहन थमने का नाम नहीं ले रहा। सीमावर्ती जिलों में इस विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर पुलिस ने बीती रात एक आयसर ट्रक को रोककर उसकी जांच की। ट्रक में 100 बोरी धान मिला। ट्रक के चालक ने इसके कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाए। पुलिस ने धान को जब्त कर राजस्व विभाग को सौंप दिया है।

बता दें पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के निर्देशन में पूरे जिले में प्रभावी रात्रि गश्त व पेट्रोलिंग की जा रही है। बीती रात थाना कुनकुरी पुलिस टीम को नेशनल हाईवे-43 में रोड पर संदिग्ध अवस्था में आईसर वाहन 407 क्रमांक सीजी 14 एमक्यू 7244 में खपाने के उद्देश्य से धान का परिवहन करने की जानकारी मिलने पर उक्त वाहन को रोककर तलाशी लेने पर वाहन में भारी मात्रा में धान मिला। वाहन चालक देवलाल केरकेट्टा ने बताया कि ट्रक एवं धान का मालिक जशपुर निवासी विशाल गुप्ता है।

थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशन में इसकी सूचना तत्काल एसडीएम कुनकुरी नंदजी पाण्डे, नायब तहसीलदार अरूण बंजारे को दी जाकर मौके पर बुलाया गया एवं आगामी कार्यवाही के लिए उन्हें सौंपा गया। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक सुनील सिंह, एएसआई मनोज साहू, प्रधान आरक्षक छविकांत पैंकरा, आरक्षक राजेन्द्र तिर्की आदि का योगदान रहा है।

बता दें इससे पहले भी जशपुर पुलिस ने कुंजारा जंगल से ट्रैक्टर के माध्यम से लकड़ी चोरी करने के आरोपी को पकड़कर वन विभाग को सौंपा गया है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह का कहना है कि जशपुर पुलिस की प्रभावी रात्रि गस्त का ही परिणाम है कि विगत दिनों हुए चंदन लकड़ी चोरी, मोटरसाइकिल चोरी के आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है, जशपुर पुलिस की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

खुर्सीपार की गांजा तस्कर दुर्गा अम्मा को 6 माह की जेल

दुर्ग पुलिस के प्रतिवेदन पर संभागायुक्त ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के तहत बालाजी नगर निवासी दुर्गा अम्मा को 6 माह तक जेल में रहना होगा। दुर्गा अम्मा पर नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध है और लगातार वह इस कृत्य में संलिप्त रही है। खुर्सीपार थाना में दुर्गा अम्मा के खिलाफ गांजा तस्करी व उसके अवैध व्यापार की गई शिकायतें हैं। हाल की पुलिस ने दुर्गा अम्मा के घर से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया। अब इस मामले में दुर्ग पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के प्रतिवेदन पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने स्वापक, औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार, निवारण अधिनियम-1988 की धारा-3 सहपठित धारा-11 के तहत न्यायालयीन आदेश पारित कर दुर्गा अम्मा को 6 माह के लिए सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया है।

दुर्ग एसपी द्वारा दिए गए प्रतिवेदन के अनुसार दुर्गा अम्मा के विरूद्ध नारकोटिक्स एक्ट के 02 मामले पर कार्यवाही की गई है। एक मामले पर दो माह तीन दिवस के सश्रम कारावास व 05 हजार रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। दूसरा प्रकरण माननीय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस के न्यायालयीन में विचाराधीन है। अनावेदिका जेल से छूट जाने के बाद भी लगातार मादक पदार्थ खरीदी बिक्री में संलिप्त रही है। उसकी प्रवृत्ति में कोई सुधार प्रतीत नहीं होता है। वर्तमान में उनके विरूद्ध शराब व गांजा सहित अन्य मादक पदार्थ बेचने की शिकायतें लगातार मिलती रही है। वह खुर्सीपार थाना क्षेत्र में लड़कों की एक गेंग बनाकर गांजा व शराब बेचने का कार्य करती है। उसकी आपराधिक गतिविधियों से समाज में रहने से विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति में प्रकरण में आए प्रतिवेदन, जवाब, साक्षियों के बयान एवं तर्क के आधार पर उसे जेल में निरूद्ध किया जाना आवश्यक है।

पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन के अनुसार दुर्गा अम्मा खुर्सीपर थाना क्षेत्र में लुक-छिपकर अपने अवैध कार्यों को संचालित करती आ रही है, साथ ही अचानक वारदात कर फरार हो जाती है। वह लड़कों को अपने प्रभाव में लेकर नशे का आदि बनाकर आपराधिक गतिविधियों की ओर प्रवृत्त कर रही है। उसकी आपराधिक कृत्यों के डर का प्रभाव सरहदी जिला-राजनांदगांव, बालोद, रायपुर, कबीरधाम, बेमेतरा में भी परिलक्षित हो रहा है। जो लोक व्यवस्था, कानून व्यवस्था, सामाजिक-शांति एवं सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है। गिरफ्तारी के बाद भी वह दिन ब दिन और अधिक कुख्यात होकर आपराधिक प्रवृत्ति की ओर बढ़ रही है तथा समाज एवं लोक व्यवस्था के लिए खतरा बन चुकी है। संभाग आयुक्त राठौर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए 27 नवम्बर 2024 को न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त दुर्गा अम्मा को केन्द्रीय जेल दुर्ग में 06 माह के लिए निरूद्ध करने के आदेश दिया है।

चंदखुरी में खड़ी ट्रक में टकराई कार, दो युवकों की मौत

भिलाई। दुर्ग के पुलगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के सड़क हादसे में उतई के दो युवकों की मौत हो गई। घटना तड़के 3:30 बजे की बताई जा रही है। कार सवार युवक चंदखुरी के पास खड़ी ट्रक से टकराए। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। जैसे ही पुलिस को सूचना मिली तो मौके पर पहुंचकर दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में पुलगांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाने में सुबह 4 बजे के आसपास सूचना मिली कि चंदखुरी के पास एक कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक क्रमांक सीजी 17 केटी 9995 से टकरा गई। कार में उतई वार्ड क्रमांक पांच निवासी योगेश वर्मा (34) व निलेश कुमार साहू (22) सवार थे। हादसे की सूचना के बाद पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक देर हो गई। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के परिजनों को सूचना दी। फिलहाल पुलगांव पुलिस गर्म कायम कर जांच कर रही है।

**कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन बैराज संभाग, डोंगरगाँव
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)**

निविदा निरस्तीकरण की सूचना

ज्ञापन क्र./वलेलि/2024-25/1631 दिनांक 27/11/2024

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 11/वलेलि/2023-24 दिनांक 24.01.2024 (सिस्टम नंबर 151912) मोहला-मानपुर-चौकी जिले के विकासखण्ड मोहला की बोगाटोला जलाशय का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

G-07336/2

**कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन बैराज संभाग, डोंगरगाँव**

G-242504153/7

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर बोले सीएम साय: चित्रोत्पला फिल्म सिटी से छत्तीसगढ़ी फिल्मों के साथ पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

पद्मश्री विभूतियों की सम्मान राशि प्रतिमाह 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 147 करोड़ रूपए की लागत से चित्रोत्पला फिल्म सिटी बनेगी। इसके लिए भारत सरकार ने 147 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि चित्रोत्पला फिल्म सिटी के निर्माण से छत्तीसगढ़ी फिल्मों, छत्तीसगढ़ी नाटकों को प्रोत्साहन तो मिलेगा ही, साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मान से विभूषित छत्तीसगढ़ की विभूतियों को दी जाने वाली सम्मान राशि प्रतिमाह 5 हजार रूपए से बढ़ाकर 10 हजार रूपए करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार द्वारा फिल्म सिटी के निर्माण की स्वीकृति प्रदान करते हुए फिल्म सिटी के लिए राशि की स्वीकृति दी गई है। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ी गुरतुर भाषा है, जो हमें आपस में दिल से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी फिल्में काफी लोकप्रिय हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा को बढ़ावा देने में छत्तीसगढ़ी फिल्मों का भी बड़ा योगदान है।

12 पुस्तकों का किया विमोचन

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में डॉ. पी. सी. लाल यादव की पुस्तक ''लोरिक चंदा'', श्री सुशील भोले की पुस्तक ''कोंदा-भैरा के गोठ'', अनिल जांगड़े की रचना ''चहकत चिरइया'', डॉ. जय भारती चन्द्राकर की पुस्तक ''छत्तीसगढ़ी महिला कलमकार ले मुहांचाही'', सेवकराम बांधे की पुस्तक ''डोकरी दाई के कहिनी'', गिरवर दास मानिकपुरी की पुस्तक ''गिरवर गोठ गीत गजल'', डॉ. शैलचन्द्रा की पुस्तक ''गोदावरी'', डॉ. किशन टंडन की पुस्तक ''कठवा'', ओमप्रकाश साहू की पुस्तक ''पुरखा के सुरता'', लोकनाथ साहू ललकार की पुस्तक ''पुरखौती'', धनेश्वरी सोनी गुल की पुस्तक ''रिया के चाय'', अमोलदास टंडन की पुस्तक ''सौंजिया के दिन बहुरेंगे'' की पुस्तक का विमोचन किया।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के विलय को किया समाप्त

मुख्यमंत्री ने साहित्य परिषद में छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के विलय की समाप्ति की घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग राजभाषा छत्तीसगढ़ी को बढ़ावा देने का कार्य करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का साहित्य परिषद में विलय कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा को समृद्ध करने वाले छह साहित्यकारों को शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखित 12 पुस्तकों का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी भाषा के 6 वरिष्ठ साहित्यकारों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा को समृद्ध करने वाले छह साहित्यकारों को शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ी भाषा में लिखित 12 पुस्तकों का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री साय ने धमतरी के सुरजीत नवदीप, रायपुर के डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र, धमतरी के पुनीत गुरुवंश, रायपुर के डॉ. सुखदेव राम साहू सरस, सरगुजा के श्री शिवब्रत सिंह पावले, दंतेवाड़ा की श्रीमती शकुंतला शेंडे को शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

हम छत्तीसगढ़ी भाषा में बातचीत करें : बृजमोहन अग्रवाल

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा को लोकप्रिय बनाने और राजभाषा का सम्मान देने के लिए यह जरूरी है कि हम छत्तीसगढ़ी भाषा में बातचीत करें और नई पीढ़ी को भी छत्तीसगढ़ी बोलना सिखाए। उन्होंने साहित्यकारों से छत्तीसगढ़ी भाषा में उपन्यास, कविता और इतिहास का लेखन करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सदस्य छत्तीसगढ़ी में अपना सम्बोधन दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सांसद के रूप में वे छत्तीसगढ़ी को संविधान की आठवें अनुसूची में शामिल कराने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में पद्श्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे और डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी., संचालक संस्कृति एवं राजभाषा श्री विवेक आचार्य ने छत्तीसगढ़ी राजभाषा में सम्बोधन दिया। राजभाषा आयोग की सचिव डॉ. अभिलाषा बेहार ने बताया कि आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ी में 2700 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। आयोग द्वारा अब तक छत्तीसगढ़ी भाषा की 1400 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ में बनेगी फिल्म सिटी, पर्यटन का बढ़ेगा दायरा, केन्द्र से मिली 147.66 करोड़ की स्वीकृति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों को मिला मजबूत आधार, आइकोनिक टूरिज्म प्रोजेक्ट्स के द्वारा मिलेगी नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुंबई व हैदराबाद की तरह अब छत्तीसगढ़ में भी फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को केंद्र सरकार से एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। केंद्र सरकार ने स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के तहत राज्य की महत्वपूर्ण पर्यटन परियोजनाओं के लिए 147.66 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है।

स्वीकृत राशि से 95.79 करोड़ रुपए की लागत से माना तूता रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण तथा 51.87 करोड़ रुपए की लागत से माना तूता रायपुर में जनजातीय और सांस्कृतिक कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में इन परियोजनाओं के शुरू होने से राज्य में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। ये योजनाएं रोजगार सृजन, विकास और छत्तीसगढ़ को पर्यटन के वैश्विक मानचित्र में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री के समक्ष रखा था प्रस्ताव

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से 15 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ की पर्यटन गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना के तहत राजधानी रायपुर में फिल्म सिटी, कन्वेंशन सेंटर, वेलनेस रिसॉर्ट और नेचर सिटी के लिए लगभग 300 करोड़ रुपए के प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे। जिसके परिप्रेक्ष में फिल्म सिटी और कन्वेंशन सेंटर निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 147.66 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

फिल्म मेकिंग के साथ फिल्म टूरिज्म भी बढ़ेगा

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के इस ठोस कदम से छत्तीसगढ़ में फिल्म मेकिंग और फिल्म टूरिज्म के लिए फिल्म सिटी निर्माण के माध्यम से अपार संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं। यह सफलता छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और राज्य को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की दिशा में नए अवसर खोल रही है।

साय सरकार की पहल: तिलहन उत्पादन और वितरण पर अनुदान राशि 500 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ोत्तरी, किसानों को राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार ने किसानों के लिए एक और पहल की है। इसबार दाल व तिलहन की पैदावार करने वाले किसानों को राहत देते हुए अनुदान राशि में प्रति क्विंटल 500 रुपए की बढ़ोत्तरी की है। कृषक समग्र विकास योजना के तहत अक्ती बीज संवर्धन योजना के अंतर्गत तिलहन फसलों के बीज उत्पादन एवं वितरण पर अनुदान में वृद्धि के प्रस्ताव को वित्त विभाग ने मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर तिलहनी फसलों के लिए बीज उत्पादन और वितरण अनुदान को प्रति क्विंटल 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये करने की स्वीकृति दी गई है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने से विशेष रूप से तिलहन उत्पादक किसानों को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि अक्ती बीज संवर्धन योजना की शुरुआत से अब तक बीज उत्पादन और वितरण अनुदान में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। अब तिलहन फसलों के बीज उत्पादन एवं वितरण पर प्रति क्विंटल 500 रुपये का अतिरिक्त अनुदान मिलेगा, जो किसानों को बीज की गुणवत्ता सुधारने और उत्पादन में वृद्धि करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की इस पहल का उद्देश्य किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ-साथ तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा है। इस वृद्धि से किसान तिलहन फसलों की कृषि के लिए प्रोत्साहित होंगे और तिलहन की अधिक उपज सुनिश्चित करने के लिए बेहतर बीज का भी इस्तेमाल करेंगे। इस पहल से तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ने के साथ ही किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।

वनमंत्री केदार कश्यप का ऐलान

छत्तीसगढ़ में अब ई-नीलामी से होगी ईमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ लकड़ी की बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अब वनमंडलों के काष्ठागार-बांसागार में ईमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ का लकड़ी की बिक्री ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। यह प्रक्रिया 09 दिसम्बर 2024 से ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। इसकी शुरूआत धमतरी काष्ठागार से होगी। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में पहले ईमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ की बिक्री खुली नीलामी के माध्यम से किया जा रहा था।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि ई-नीलामी प्रणाली लागू होने से ईमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ का ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से संबंधित डिपो के नीलामी दिनांक एवं अवधि पर कहीं से भी क्रय किया जाना संभव होगा। जबकि पूर्व में, नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी स्थल में ही उपस्थित होना पड़ता था। अब क्रेता अपनी सुविधा अनुसार स्थल से नीलामी में भाग लेकर ईमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ का क्रय कर सकते हैं।

ई-प्रणाली लागू होने से ईमारती लकड़ी, बांस, बल्ली एवं जलाऊ की नीलामी में पारदर्शिता होगी तथा खरीददारों को क्रय करने में सुविधा एवं उनके बहुमूल्य समय की बचत होगी। ई-प्रणाली लागू होने से ईमारती लकड़ी, बल्ली, बांस एवं जलाऊ से प्राप्त होने वाले वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राजस्व में कम से कम 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

जनजातीय संस्कृति ने भगवान श्रीराम को अपने हृदय में बसा रखा है : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय समाज का इतिहास धरती पर मनुष्य के पहले पदचाप के साथ जुड़ा हुआ है। जनजातीय संस्कृति ने भगवान श्रीराम को अपने हृदय में बसा रखा है। भगवान राम ने छत्तीसगढ़ में ही वनवास बिताया, यहीं पर उन्होंने माता शबरी के जूठे बेर खाए। जनजातीय अस्मिता का प्रश्न भारत की सनातन परंपरा की अस्मिता से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में जनजातीय अस्मिता, अस्तित्व और विकास विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमें जनजातीय समुदायों की अस्मिता और विरासत के प्रति संवेदनशील यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व मिला है। आज जनजातीय समुदाय की हमारी बहन द्रौपदी मुर्मु भारत के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजाति समाज सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज है। यह समाज कुप्रथाओं का मुखर विरोध करता है। भारत की संस्कृति और देश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जनजातीय जननायकों के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पूरे देश में 13 से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज की परंपराओं, संस्कृति रीति-रिवाज, तीज-त्यौहार और शासन द्वारा जनजातीय उत्थान के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 13 नवंबर को जशपुर जिले में आयोजित पदयात्रा इतनी सफल रही कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी खुलकर तारीफ की और ऐसे आयोजनों को जनजातीय समाज के विकास और उत्थान में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हुए राष्ट्रीय आयोजन ने अन्य प्रांतों से आए आदिवासी समुदाय को एक दूसरे की संस्कृति को जानने-समझने का सुंदर अवसर दिया। श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के दौरान सबसे पहले पृथक जनजातीय कल्याण मंत्रालय बनाया और आदिवासियों के विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी।

उन्होंने कहा कि हम मैदानी और जनजातीय क्षेत्रों में अवसरों की समानता स्थापित करने के लिए अपनी योजनाएं और नीतियां बना रहे हैं ताकि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक समुदाय के पास विकास के समान अवसर हों और जनजातीय समाज अपनी प्राकृतिक और भौगोलिक जटिलताओं पर जीत हासिल करते हुए समग्र भारत के विकास की मुख्य धारा में शामिल हो सकें। जब हम जनजातीय समुदायों की अस्मिता की रक्षा करेंगे, उनकी संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन करेंगे, उनके इतिहास और उनके नायकों का गौरवगान करेंगे तो निश्चित रूप से मां भारती का यश बढ़ेगा, उसका गौरव गान होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत के जनजातीय समुदायों के समग्र विकास के लिए मोदी जी पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं चला रहे हैं। ये योजनाएं जनजातीय समुदायों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए क्रांतिकारी योजनाएं साबित हो रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी अनेक योजनाओं से जनजातीय समुदायों को बड़ा संबल मिला है। पिछले 11 महीने में छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर अंचल में शांति स्थापित करने के लिए तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से शासन की योजनाओं को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने की अनूठी पहल की गई है। बस्तर अंचल में सुरक्षाबलों के 34 नए कैंप खोले गए हैं और लगभग 96 गांवों में शासकीय योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जनजातीय महानायकों के गौरवशाली इतिहास की जानकारी आने वाली पीढ़ी को हो इसलिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि उनके मूल्यों को अगली पीढ़ी तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने सदैव प्रकृति के संरक्षण की दिशा में कार्य किया है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अतुल जोग ने कहा कि बिना स्वार्थ के जनजातीय समाज ने मानव सेवा का काम किया है। इसका सुंदर उदाहरण पद्म पुरस्कारों की घोषणाओं में भी देखने को भी मिला, जिसमें बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के लोग शामिल रहे हैं। संगोष्ठी को पवन साय और अनुराग जैन ने भी संबोधित किया। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950